



पेज 8

नुसरत 'घुसखोर पंडत' में नजर आएंगी

सुप्रभात
 लोगों से काम लेने के लिए मछमल के म्यान में तेज दिमाग होना चाहिए। अविश्वास से बढ़कर एकाकीपन कोई दूसरा नहीं है। - इलियट

मौसम का भिजाज
 सूर्यास्त (5 जून) 7:13 बजे, सूर्योदय (6 जून) 6:01 बजे, तापमान: 33 डिग्री से. (गरज के साथ बौछार।)

शॉर्ट स्टोरी

बीजेपी में जा सकते हैं टीएमसी के 20 एमपी!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली पश्चिम बंगाल चुनाव में मिली हार के बाद अब ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ‘महाराष्ट्र पैटर्न’ के तहत टूट गई है। लेकिन असली खेल अभी बाकी है। एक खबरिया चैनल ने सुत्रों के हवाले से दावा किया है कि टीएमसी के 20 सांसद बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। खबर है कि इसके लिए ऑप लेवल पर कई मीटिंग और बातचीत चल रही है। तुणमूल कांग्रेस के राज्यसभा और लोकसभा में 41 सांसद हैं। इनमें से 28 सांसद लोकसभा में और 13 सांसद राज्यसभा में हैं। अगर पार्टी में फूट पड़ती है तो यह ममता बनर्जी के लिए बड़ा झटका होगा। वहीं केंद्र में बहुमत के लिए नाइटू-नीतीश के सहारे टिकी बीजेपी को बड़ा बल मिलेगा।

दोषी महेंद्र बरेला को दोहरी मौत की सजा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई महाराष्ट्र की भुसावल सत्र न्यायालय ने दोषी महेंद्र बरेला को दोहरी मौत की सजा सुनाई है। उसे 2020 के बोरखेड़ा हत्या और बलात्कार मामले में ये सजा सुनाई गई है। विशेष लोक अभियोजक अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने बताया आज, भुसावल सत्र न्यायाधीश ने आरोपी महेंद्र बरेला को मौत की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि 15 अक्टूबर 2020 को, शाम लगभग 7:30 बजे, आरोपी अपने दोस्त के घर में घुसा, उस समय वहां केवल नाबालिग बच्चे ही मौजूद थे। दोषी महेंद्र ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया, और विरोध करने पर छोटे भाई-बहनों के सिर और गर्दन पर कुल्हाड़ी से लगातार वार करके उनकी हत्या कर दी।

फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई बॉलीवुड के अनुभवी फिल्म निर्माता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का निधन हो गया। निहलानी के मित्र शशि रंजन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वह 76 वर्ष के थे। पहलाज निहलानी का जन्म 10 जनवरी, 1950 को हुआ था। उन्होंने फिल्म निर्माता के तौर अपने करियर की शुरुआत 1982 में आई फिल्म हश्कड़ी से की थी। उन्हें 1986 में आई फिल्म इल्जाम के जरिए अभिनेता गोविंदा को पहला बड़ा मौका देने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने 1987 की फिल्म आग ही आग के माध्यम से अभिनेता चंकी पांडे को भी फिल्मों में कदम रखने का मौका दिया।

राकांपा का स्थापना दिवस 10 जून को

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का 27वां स्थापना दिवस 10 जून को शरद पवार और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले दोनो गुटों द्वारा अलग-अलग कार्यक्रमों में मनाया जाएगा। शरद पवार द्वारा साल 1999 में स्थापित यह पार्टी जुलाई 2023 में उस समय विभाजित हो गई थी, जब अजित पवार कुछ विधायकों के साथ अलग गुट बना कर प्रदेश की तत्कालीन एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा जहां धम्मसुखनंद हॉल में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन करेगी, वहीं राकांपा (एसपी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम दक्षिण मुंबई के वाईबी चहाण सेंटर में होगा।

एयरपोर्ट पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

1.39 करोड़ की विदेशी मुद्रा पकड़ी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने नियमित सुरक्षा जांच के दौरान बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब सुरक्षा कर्मियों ने एक्स-बीआईएस सिस्टम पर एक यात्री के सामान की स्कैनिंग के दौरान एक संदिग्ध तस्करी देखी। संदेह के आधार पर तुरंत यात्री के हैंड बैगेज की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान बैग में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा मिली, जिसे बिना किसी वैध अनुमति के ले जाया जा रहा था। बरामद की गई मुद्रा में कुल 1,45,000 अमेरिकी डॉलर पाए गए, जिसकी भारतीय मुद्रा में अनुमानित कीमत लगभग 1.39 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

दैनिक

हिंदमाता

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

विधान परिषद चुनाव: धन-बल के दबाव में भीगी बिल्ली बने बागी! अब दुर्लभ हुए स्वच्छ चुनाव

● बिना वोटिंग के जीते बीजेपी के 2 उम्मीदवार, महायुति के 6 प्रत्याशी विजयी; 11 सीटों पर होगा मुकाबला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई महाराष्ट्र में स्वच्छ चुनाव अब बीते दिनों की बात हो गई है। लोकसभा, विधानसभा चुनाव तो छोड़ ही दीजिए, किसी संस्थान-प्रतिष्ठान के चुनाव तक में पैसे और जोड़तोड़ का ऐसा शर्मनाक खेल देखने को मिल रहा है, जिससे न केवल चुनाव करानेवाली संस्थाओं के प्रति गहरा अविश्वास बढ़ा है बल्कि चुनावों को लेकर लोगों के मन में गहरी हताशा व्याप्त हो रही है। अब विधानपरिषद चुनाव में भी जोड़-तोड़ और पैसे का खेल देखने को मिल रहा है। फिलहाल महाराष्ट्र विधान परिषद की 17 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में महायुति ने शुरुआती बढ़त बना ली है। 6 सीटों पर महायुति के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं, जबकि बाकी 11 सीटों पर 18 जून को मतदान होगा। दूसरी ओर, महाविकास आघाडी को चुनाव से पहले झटका लगा है क्योंकि उसके कई उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया। गौरतलब है कि विधान परिषद चुनाव में सीधे जनता अपने प्रतिनिधियों को नहीं चुनती है। अप्रत्यक्ष रूप से विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव होता है, जिसका मतलब है कि इसमें आम नागरिकों के बजाय, जनता की तरफ से चुने गए जनप्रतिनिधि और कुछ खास वर्ग के लोग एकल संक्रमणीय मत के जरिए विधान परिषद के सदस्यों को चुनते हैं। अब शिवसेना (यूबीटी) के संजय राऊत ने आरोप लगाया है कि बीकेसी के सॉफ्टवेल होटल में डेढ़ सौ करोड़ रुपए की सौदेबाजी निर्विरोध चुनाव के लिए हुई। राऊत के आरोपों कितनी सचाई है, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन जिस तरह विधान परिषद चुनाव में नामांकन वापसी की नौटंकी दिखी है, उससे साफ है कि महाराष्ट्र के अमूमन हर राजनीतिक दल के नेता की ‘रीढ़ की हड्डी’ लुप्त हो चुकी है। रीढ़विहीन ये नेता केवल ‘नोटों की बैसाखी’ के सहारे चलने-फिरने के आदी हो चले हैं। इससे भी ज्यादा ज्यादा शर्म की बात यह है कि ‘बिके हुए’ ये नेता अपनी निर्लज्जता को ‘विकास’ का नाम दे रहे हैं।

महायुति के निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवार

- वर्धा-गडचिरोली-चंद्रपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के अरुण लाखानी निर्विरोध निर्वाचित हुए। 2. पुणे निर्वाचन क्षेत्र से अजित पवार की एनसीपी के विक्रम काकडे निर्विरोध निर्वाचित हुए। 3. ठाणे निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (शिंदे गुट) के रवींद्र फाटक निर्विरोध निर्वाचित हुए। 4. रायगड-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से अजित पवार की एनसीपी के अनिकेत तटकरे निर्विरोध निर्वाचित हुए। 5. यवतमाळ निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (शिंदे गुट) के दुष्यंत चव्हेटी निर्विरोध निर्वाचित हुए। 6. अहिल्यानगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के प्राजवत तनपुरे निर्विरोध निर्वाचित हुए।

- छत्रपति संभाजीनगर: सुहास शिरसाट (भाजपा) बनाम गणेश लोखंडे (निर्दलीय)।
- नाशिक: नरेंद्र दराड (शिवसेना-शिंदे गुट) बनाम गोकुल गौरे (भाजपा बागी)। 3. सोलापुर: राजेंद्र राऊत (भाजपा) बनाम वसंत देशमुख (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद पवार गुट)। 4. नांदेड़: अमर राजूकर (भाजपा) बनाम कृष्णा आधीकर (महाविकास आघाडी समर्थित)। 5.

शिवसेना यूबीटी में अभी भी पाला बदलुओं की भरमार



नामांकन पर धन हावी!

नाशिक अंतिम समय तक चला सियासी ड्रामा

नाशिक में निर्दलीय उम्मीदवार गोकुल गीते के नामांकन पत्र वापस लेने को लेकर आखिरी क्षण तक जबरदस्त ड्रामा चलता रहा। महायुति गठबंधन के नेताओं ने गोकुल गीते को अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए मनाने की आखिरी मिनट तक पुरजोर कोशिशें कीं। हालाँकि, गिरीश महाजन के करीबी सहयोगी नीलेश बोरा और नाना गामने ने अब एक सनसनीखेज दावा किया है कि एक विवादित ऑडियो क्लिप के कारण यह पूरा फैसला पलट गया।

शिंदे की बड़ी टेंशन!

सीट शेयरिंग के कॉर्भुले के तहत नाशिक विधान परिषद सीट उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के खाते में गई है। शिवसेना ने यहां से मौजूदा विधायक नरेंद्र दराड को महायुति का आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर मैदान में उतारा है। हालांकि गोकुल गीते ने शीर्ष नेतृत्व के आदेशों को दरकिनार करते हुए अपना नामांकन वापस नहीं लिया। ऐसे में अब नाशिक का यह चुनावी मुकाबला बेहद पेचीदा और त्रिकोणीय होने की कगार पर पहुंच गया है, जिससे महायुति के वोटों में बिखराव होना पूरी तरह से तय माना जा रहा है।

एक होटल में 150 करोड़ रुपए का लेन-देन!

संजय राऊत के आरोपों से मची हलचल

विधान परिषद चुनाव की गहमागहमी के बीच शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राऊत के आरोपों से सियासी गलियारे में हलचल मच गई है। राऊत ने आरोप लगाया है कि सत्ता पक्ष की ओर से नामांकन वापस लेने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। राऊत ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष की ओर से निर्विरोध चुनाव कराने के लिए सारे हथकंडे अपनाए गए। उन्होंने यह भी सनसनीखेज आरोप लगाया कि आज करीब 150 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं ताकि चुनाव बिना विरोध के हों और महाविकास आघाडी के उम्मीदवार नाम वापस ले लें।

प्रमुख उम्मीदवारों को 25 करोड़ दिए गए!

राऊत ने आरोप लगाया कि प्रमुख उम्मीदवारों को कम से कम 25 करोड़ रुपए दिए गए हैं। कल मुंबई के सॉफ्टवेल होटल में एक ट्रांजेक्शन हुआ। उसके बाद कोकण के रायगड में नाम वापस लिया गया। संभाजीनगर में हमारे एक उम्मीदवार ने नाम वापस ले लिया। वहां भी इसी तरह से ट्रांजेक्शन हुआ। राऊत ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने लेन-देन किया, उन्होंने ही हमें इन लेन-देन के बारे में बताया। राज्य और देश की इस तरह की तबाही बहुत खतरनाक है।

इन सीटों पर होगा चुनाव

नागपुर : राजू पोद्दार (भाजपा) बनाम अतुल लोढे (कांग्रेस)। 6. सांगली-सातारा : धैर्यशील कदम (भाजपा) बनाम अभयसिंह जगताप (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद पवार गुट)। 7. धाराशिव : बसवराज पाटील (भाजपा) बनाम महेश देशमुख (कांग्रेस)। 8.जलगांव : नंदकिशोर महाजन (भाजपा) बनाम शरद तायडे (शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट) बनाम रेश्मा काले (शिंदे गुट



देश की राजनीति में ‘महाराष्ट्र पैटर्न’ कुख्यात हो चला है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी और अभी-अभी ममता बनर्जी की टीएमएस की ‘महाराष्ट्र पैटर्न’ के तहत ध्वस्त कर दिया गया है। अदालत पस्त है, पाला बदलू मस्त हैं। लेकिन उद्धव ठाकरे की शिवसेना में अब भी पाला बदलुओं की भरमार है। कभी शिवसैनिक को उसके स्वाभिमान के लिए जाना जाता था, लेकिन अब ऐसा वातावरण बन गया है कि राजनीति के गलियारे में सबसे कम भरोसा इन्हीं भूतपूर्व स्वाभिमानियों पर रह गया है।

■ विधानपरिषद चुनाव में भी इसकी बागनी देखने को मिली है। 2024 में उदय सामंत के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए शिवसेना यूबीटी में आए भाजपाई बाल माने को शिवसेना यूबीटी ने रायगड-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग स्थानीय स्वराज्य संस्था निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद का उम्मीदवार बनाया, लेकिन माने ने नितेश राणे के सामने सरेंडर करते हुए अपना नामांकन वापस ले लिया। एनसीपी के अनिकेत तटकरे निर्विरोध जीत गए। माने के इस कदम के बाद शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राऊत ने जानकारी दी कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बाल माने को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निकालसित कर दिया है। वहीं परभणी में शिवसेना मंत्री उदय सामंत ने दावा किया कि माने ने डर के कारण चुनाव मैदान से हटने का फैसला लिया है। इसी तरह औरंगाबाद-जालना से शिवसेना यूबीटी की उम्मीदवार देवयानी डोंग्राकर ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया। शिवसेना यूबीटी ने देवयानी को भी पार्टी से बाहर कर दिया है और मनापा गटनेता गणेश लोखंडे को एमपीए का नया उम्मीदवार बनाया गया है।

शरद पवार का उम्मीदवार हटा, रविंद्र फाटक का रास्ता साफ

विधानपरिषद की ठाणे-पालघर स्थानीय निकाय सीट पर शिवसेना के रविंद्र फाटक का निर्विरोध चयन हो गया है। गुरुवार को नामांकन वापसी के अंतिम दिन महाविकास आघाडी की तरफ से एनसीपी एसपी के उम्मीदवार अभिजीत पवार ने अप्रत्याशित रूप से अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। इस तरह इस चुनाव में बचे एकमात्र उम्मीदवार रविंद्र फाटक का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है।

की बागी उम्मीदवार)। 9. परभणी :सईद खान (शिवसेना-शिंदे गुट) बनाम विवेक नावंदर (शिवसेना-उद्धव ठाकरे गुट)। 10. भंडारा-गोंदिया : अविनाश ब्राह्मणकर (भाजपा) बनाम नरेश ईश्वरकर (निर्दलीय) बनाम सचिन कुंभलकर (निर्दलीय)। 11. अमरावती : प्रवीण पोटे-पाटील (भाजपा) बनाम हर्षजीत देशमुख (कांग्रेस)।

15.15 लाख करोड़ का घोटाला!

गोल्ड एक्सपोर्टर राजेश एक्सपोर्ट पर चला सेबी का चाबुक

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई शेयर बाजार की निगरानी करने वाली संस्था सेबी ने गोल्ड एक्सपोर्ट कंपनी पर बड़ी कार्रवाई की है, क्योंकि एक ऐसा मामला सामने आया है, जो आपको हैरान कर देगा. सेबी का आरोप है कि राजेश एक्सपोर्ट ने 15.15 लाख करोड़ रुपए का फर्जी एक्सपोर्ट दिखाया है। यह कुल फर्जी निर्यात 99 फीसदी का है। कई सालों तक राजेश एक्सपोर्ट्स भारत की सबसे बड़ी सफल कंपनियों में से एक मानी जाती रही है। बेंगलुरु स्थित इस कंपनी ने वैश्विक स्वर्ण उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बनाई। यह कंपनी कीमती धातुओं को रिफाइन करती है और दुनिया भर में आभूषणों का निर्यात करती रही है। इसका सालाना रेवेन्यू इतना अधिक था कि यह अक्सर भारत की सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनियों में शुमार थी। हालाँकि अब इस कंपनी के खिलाफ जांच और ऑडिट के आदेश जारी किए गए हैं।

सेबी ने क्या आरोप लगाए हैं?

सेबी की अंतरिम जांच में आरोप लगाया गया है कि वित्त वर्ष 21 से वित्त वर्ष 25 के बीच कंपनी ने अपनी विदेशी सहायक कंपनियों से जुड़े राजस्व को बहुत बड़े पैमाने पर गलत तरीके से दिखाया। नियामक के अनुसार लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपए के राजस्व आंकड़ा वैरिफाई नहीं हो सका और पैसे में भारी गड़बड़ाई दिखाई दी।

मैंने पैंट में पेशाब कर दिया...

क्या दाऊद इब्राहिम के डर से ललित मोदी ने लिया क्रिकेट से संन्यास?



हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह से मिली कथित जानलेवा धमकियों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने मैच फिक्सिंग और दाऊद इब्राहिम से जुड़ी एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ‘उनका पैट में ही पेशाब निकल गया था’। उन्होंने पहली बार खुलासा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह से मिली कथित जानलेवा धमकियां क्रिकेट प्रशासन से स्थायी रूप से संन्यास लेने के उनके फैसले के पीछे बड़ी वजह थीं।

दाऊद की वजह से क्रिकेट से संन्यास?

ललित मोदी ने विस्तार से बताया कि कैसे आईपीएल के शुरुआती वर्षों में मैच फिक्सिंग के खिलाफ उनका अडिग रुख डी-कंपनी के निर्याति अरबों डॉलर के अंडरग्राउंड सट्टेबाजी नेटवर्क से सीधे टकराया। उन्होंने दावा किया कि यह गिरोह एक ऐसा सट्टा बाजार चलाता है,जिसकी कल्पना करना भी मुश्किल है, जहां हर गेंद के साथ दांव बदलते रहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने दाऊद इब्राहिम की वजह से क्रिकेट से संन्यास लिया तो आईपीएल के संस्थापक और पहले अध्यक्ष ललित मोदी ने कहा कि यह सबसे बड़े कारणों में से एक है।

सेबी ने क्या दिया आदेश?

3 जून को जारी एक अंतरिम आदेश में, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने राजेश एक्सपोर्ट्स और उसके प्रमोटर चेयरमैन राजेश मेहता को शेयर बाजार में कारोबार करने से रोक दिया। नियामक ने पांच वित्तीय वर्षों में फैले भारी वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया, जिसमें 15.15 लाख करोड़ रुपए के रेवेन्यू की जानकारी फर्जी पाई गई है। आशंका है कि शेयर बाजार में हेरफेर करने के लिए यह आंकड़ा दिखाया गया है।

अभी ये अंतिम फैसला नहीं

यह संख्या इतनी बड़ी है कि यह कई देशों के सालाना आर्थिक उत्पादन से भी अधिक है। हालांकि जांच अभी जारी है और सेबी का फैसला अभी अंतिम नहीं है, लेकिन इन आरोपों ने शेयर बाजार में हलचल मचा दी है, जिससे कॉर्पोरेट खुलासे, निगरानी और निवेशक संरक्षण के बारे में नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

शिकायत के बाद शुरू की थी कार्रवाई
यह विवाद 11 मार्च, 2024 को सेबी को मिले एक शेयरहोल्ट्स की शिकायत से शुरू हुआ। शिकायत में असामान्य तरीके से बड़ी मात्रा में बकाया राशि पर सवाल उठाया गया था, जो कथित तौर पर दो साल से अधिक समय से पेंडिंग थी। इस तरह की लंबी अवधि तक लंबित बकाया अमाउंट अक्सर रूिता का विषय होती है, क्योंकि वे पैमेंट मिलने में कठिनाइयों या संभावित अनियमितताओं का संकेत दे सकती हैं। इस शिकायत के बाद सेबी ने जांच शुरू की। अक्टूबर 2024 में, नियामक ने एक जांच टीम नियुक्त किया। बाद में उसने कंपनी के खातों की जांच करने और समूह द्वारा किए गए वित्तीय खुलासों को वैरिफाई करने के लिए फॉरेंसिक ऑडिटर बाँटीओ को नियुक्त किया।

खबर आते ही बिखरे शेयर
सेबी की कार्रवाई होते ही इस राजेश एव?सपोर्ट के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। राजेश एक्सपोर्ट के शेयर लीअर सर्किट पर आ गए और 5 फीसदी टूटकर 103.92 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

पेपर लीक से आहत आकांक्षा ने लगाई फांसी

दोबारा नीट देने की हिम्मत नही

● सुसाइड नोट पढ़कर रो पड़े माता-पिता

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई नीट परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के काले साए ने देश के एक और होनहार भविष्य को हमसे छीन लिया है। नागपुर में नीट की तैयारी कर रही मध्य प्रदेश के मऊगंज की रहने वाली छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आकांक्षा ने नीट परीक्षा में सफलता का भरोसा जताया था लेकिन पेपर लीक की खबर से इतना टूट गई कि उसने अपना जीवन समाप्त कर लिया। आकांक्षा का कसूर सिर्फ इतना था कि वह एक गरीब किसान की बेटी थी, जिसके पिता नागपुर में कुक का काम करके उसे डॉक्टर बनाने का सपना देख रहे थे। पेपर अच्छा गया था, लेकिन जैसे ही पेपर लीक की खबर आई, सिस्टम की इस धांधली ने उस बच्ची को डिप्रेशन में धकेल दिया। उसने अपने सुसाइड नोट में जो लिखा है, वो इस देश के परीक्षा तंत्र के मुंह पर एक करारा तमाचा है।

सुसाइड नोट में छात्रा का अंतिम संदेश
सुसाइड नोट के अंश - ‘ममी-पापा आपको भरोसा था कि मेरी बेटी पढ़ लेगी और डॉक्टर बनेगी, पर दोबारा नीट का पेपर देने की हिम्मत नही है मेरे अंदर। पहले नीट के पेपर में अच्छे यावर्स आ रहे थे मेरे, लेकिन अब दोबारा पेपर अच्छा आए इसकी कोई गारंटी नही है। सौरी ममी पापा, मैंने सब रबॉद कर दिया आप दोनों का।’

राहुल गांधी का सरकार पर प्रहार

आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। आकांक्षा के पिता किसान हैं। बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर 3 लाख रुपए का कर्ज लिया। और नागपुर में खुद कुक की नौकरी कर ली, ताकि बेटी वहां कोचिंग कर सके। एक पिता ने जो कर सकता था, सब किया। फिर नीट पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। उस अनिश्चितता में आकांक्षा हमें छोड़ कर चली गई। आकांक्षा की मौत आत्महत्या नहीं - मोदी जी की एक भ्रष्ट, टूटी हुई व्यवस्था की देन है। और धर्म प्रचार जी? आज भी कुर्सी पर हैं। फिर वही कमेटी। वही ट्रांसफर। वही जांच। न सुधार, न न्याय। मोदी जी, कुर्सी स्थायी नहीं होती - आती-जाती रहती है। लेकिन आपने 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को जिस हद तक बर्बाद किया है, उसकी कीमत भारत की एक पूरी युवा पीढ़ी चुका रही है।

मॉनसून के दौरान समुद्र में उठेंगी ऊंची लहरें

जून से सितंबर तक 24 हाई टाइड का अलर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई में इस बार मॉनसून सीजन में समुद्र काफी उफान पर रहेगा। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने चेतावनी जारी करते हुए बताया कि जून से सितंबर तक कुल 24 हाई टाइड 4.5 मीटर से ऊपर रहेंगे। इनमें से सबसे ऊंचा हाई टाइड 16 जुलाई को आएगी, जब लहरें 4.89 मीटर तक पहुंच सकती हैं। बीएमसी के मुताबिक, जून और जुलाई में 6-6 हाई टाइड, अगस्त में 5 और सितंबर में 7 हाई टाइड आने की संभावना है। पहले हाई टाइड का सिलसिला 14 जून से 19 जून तक चलेगा। इस दौरान समुद्र की लहरों की ऊंचाई 4.64 मीटर से 4.87 मीटर तक रह सकती है।



हाई टाइड क्यों है खतरनाक?

मॉनसून के समय ऊंची लहरें और तेज वायु समुद्र किनारे रहने वाले लोगों, मछुआरों और घूमने वालों के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। बीएमसी ने साफ-साफ कहा है कि हाई टाइड के समय लोग समुद्र तट या बीच पर बिकुल न जाएं। लोगों से अपील की गई है कि वे समय-समय पर जारी होने वाली चेतावनियों और सलाह का सख्ती से पालन करें। मछली पकड़नेवाले खास तौर पर सतर्क रहें।

सब्जी विक्रेता की मौत चार आरोपी गिरफ्तार

घायल विक्रेता ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

हिंदमाता संवाददाता @ भाईदर

भायंदर के एक सब्जी बाजार में टमाटर की कैरेट को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। मामले में नवघर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।



लोहे की रॉड से हमला

मृतक की पहचान संतोष लल्लन सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 29 मई की सुबह करीब 10 बजे हनुमान मंदिर के पास स्थित सब्जी मार्केट में टमाटर की कैरेट को लेकर दो विक्रेताओं के बीच कहासुनी हुई थी। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर धीरज गुप्ता ने संतोष सिंह पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल संतोष सिंह को पहले जैन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालात गंभीर होने पर उन्हें आगे के इलाज के लिए मीरा रोड स्थित वॉकहार्ट अस्पताल भेजा गया। वहां उपचार के दौरान 2 जून की सुबह उनकी मृत्यु हो गई।

जैकी श्रॉफ ने बढ़ाया ट्री आर्मी का हौसला

साढ़े चार हजार पौधों के रोपण अभियान का किया शुभारंभ, विधायक सुहास बाबर के कार्यों की सराहना

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

वरिष्ठ अभिनेता जैकी श्रॉफ ने खानापूर-आटपाडी के विधायक सुहास बाबर की पर्यावरण संरक्षण मुहिम की सराहना करते हुए ट्री आर्मी के वृक्षारोपण अभियान को अपना समर्थन दिया। गाडी-चानवड मैदान में ट्री आर्मी और जेके फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में साढ़े चार हजार पौधों के रोपण अभियान का शुभारंभ जैकी श्रॉफ के हाथों किया गया।

पर्यावरण का संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जैकी श्रॉफ ने कहा, 'फूल बगे तो फूल ही मिलेगा, पत्थर दोगे तो पत्थर ही मिलेगा। इसलिए आलोचना होने पर भी शांत रहना चाहिए। किसी के पर काटकर हम ऊंचे नहीं बन सकते।' उन्होंने विधायक सुहास बाबर की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि केवल बातें करने और वास्तव में काम करने वाले लोगों में बड़ा अंतर होता है। बाबर जितना बोलते हैं, उतनी ही ईमानदारी से काम भी करते हैं।

सादगी ने जीता दिल

कार्यक्रम के दौरान विधायक बाबर ने जैकी श्रॉफ की सादगी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि एक बड़े सेलिब्रिटी होने के बावजूद जैकी दादा बेहद विनम्र और सरल स्वभाव के हैं। उनकी पत्नी सोनिया बाबर ने जैकी श्रॉफ का पारंपरिक स्वागत किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और ट्री आर्मी के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण और मानवीय सेवा की दिशा में मेघाश्रेय की अनोखी पहल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

एक पेड़ मां के नाम' भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक भावनात्मक और पर्यावरण-अनुकूल अभियान है। इसके तहत लोग अपनी मां के प्रति सम्मान और प्रेम जताने के लिए उनकी स्मृति या उपस्थिति में एक पेड़ लगाते हैं और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेते हैं। मेघाश्रेय संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बांद्रा फोर्ट में एक ऐसे ही अनूठे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, आईपीएस कृष्णा प्रकाश, आईपीएस विश्वास नांगरे पाटील, स्टीफन बेन, नूपुर सोनोन, डीनो मोरिया, आसिफ बामला, कविन शाह, गौरव पारिख, मुक्ति मेहता जैसी अनेक जानी-मानी हस्तियों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस सशक्त आंदोलन को और भी मजबूत बनाया और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में हाथ बंटाया। मेघाश्रेय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विगत वर्षों की तरह छाता, रैनकोट और पानी का वितरण किया गया। सीमा सिंह द्वारा आयोजित इस पहल में एक साथ तीन सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों की पूर्ति की गई। जीवन के लिए पानी, आराम के लिए छाया और भविष्य के लिए पेड़ की संकल्पना वाले इस कार्यक्रम में भारी संख्या में बीएमसी कर्मचारी उपस्थित रहे। सीमा सिंह के अनुसार बढ़ रही पर्यावरण चुनौती के बीच हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। ग्लोबल वार्मिंग जैसी विकट परिस्थितियों का निर्माण हो रहा है। ऐसे में वृक्ष ही हमारे जीवन दाता बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए, इससे मां, मातृभूमि और धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त होगी। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और हर व्यक्ति को इस धर्म का पालन करना चाहिए।

हिंदमाता एंकर: **नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना के लिए 6 और 7 जून को रहेगा यातायात व पावर ब्लॉक**

अटगांव में विशेष ब्लॉक, कई ट्रेनें रहेगी प्रभावित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल के मुंब ई मंडल द्वारा अटगांव स्टेशन पर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना तथा पुराने पैनल को हटाने के लिए 6 जून से 7 जून 2026 तक विशेष यातायात और पावर ब्लॉक लिया जाएगा। हालांकि, सीएसएमटी-कल्याण खंड की मेन लाइन पर कोई मेगा ब्लॉक नहीं रहेगा।



श्रीकांत शिंदे का बड़ा दांव ठाकरे गुट और भाजपा को झटका

● सैकड़ों समर्थकों ने थामा शिवसेना का दामन

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट जिले ठाणे में विपक्षी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों के भीतर भी संधेमारी का खेल तेज हो गया है। कल्याण से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में बुधवार को हुए इस प्रवेश ने भाजपा के स्थानीय संगठन को हिलाकर रख दिया है। विशेष रूप से भाजपा के दो सबसे पुराने और मजबूत स्तंभ माने जाने वाले चौधरी और धात्रक परिवार का पार्टी छोड़ना कल्याण-डोंबिवली बेल्ट में भाजपा के लिए एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है। ये नेता जमीनी स्तर पर बेहद मजबूत



पकड़ रखते हैं और लगातार कई वर्षों से नगर निगम की राजनीति को प्रभावित करते आए हैं। इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर

38 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव के साथ हेमा मुंबरकर ने थामा दामन शिवसेना द्वारा गुरुवार (4 जून 2026) को जारी एक आधिकारिक विज्ञापित के अनुसार, इस प्रवेश कार्यक्रम में केवल राजनीतिक चेहरे ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक क्षेत्र के अनुभवी लोग भी शामिल हुए हैं। केडीएमसी की सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने अपने समर्थकों के साथ शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर सांसद श्रीकांत शिंदे ने उनके प्रवेश की सराहना करते हुए कहा कि मुंबरकर के पास 38 वर्षों का लंबा प्रशासनिक अनुभव है, जिसका सीधा लाभ आने वाले समय में पार्टी के संगठन और विकास योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में मिलेगा।

‘ पूरी ऊर्जा के साथ राज्य भर में काम कर रही है शिवसेना ’

सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि वर्तमान में शिवसेना पूरे महाराष्ट्र में पूरी ऊर्जा और संकल्प के साथ जनता के बीच जाकर काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहितैषी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के कारण ही विपक्षी और सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं को अपना भविष्य सिर्फ हमारी पार्टी में सुरक्षित दिखाई दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन सभी नए वरिष्ठ नेताओं, पूर्व पार्षदों और ऊर्जावान युवा कार्यकर्ताओं के आने से ठाणे और कल्याण लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी शहरी निकायों में शिवसेना का वर्चस्व पहले से कई गुना अधिक मजबूत हो जाएगा।

जहरीली शराब मामले में एफडीए की बड़ी कार्रवाई

भिंवंडी की कंपनी का गोदाम सील, लाखों रुपए का मेथनॉल जब्त, मालिकों पर मामला दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

जहरीली शराब पीने से एक महिला की मौत के मामले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सख्त कार्रवाई करते हुए मेथनॉल आपूर्ति से जुड़ी भिवंडी स्थित रेक्स इंटरनेशनल कंपनी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। एफडीए ने कंपनी के गोदाम को सील कर दिया है तथा मेथनॉल का बड़ा स्टॉक जब्त किया है।

गोदाम सील, माल जब्त

एफडीए अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान लगभग 5,229 किलोग्राम मेथनॉल का स्टॉक, जिसकी कीमत करीब 3.60 लाख रुपए बताई गई है, परीक्षण के लिए जब्त किया गया। साथ ही संबंधित गोदाम को सील कर दिया गया है। विभाग ने कंपनी का लाइसेंस रद्द करने के लिए भी नोटिस जारी किया है।

सभी लाइसेंसधारकों की जांच

विभाग ने बताया कि राज्य में मेथनॉल से संबंधित 988 लाइसेंसधारक संस्थाएं हैं, जिनमें से 51 वर्तमान में बंद हैं। सभी संस्थाओं का निरीक्षण अगले सात दिनों के भीतर पूरा किया जाएगा, ताकि नियमों के पालन की जांच की जा सके।

अंधविश्वास में महिला की हत्या

टोना-टोटका के शक में पड़ोसी दंपती पर कुल्हाड़ी से हमला, पति की हालत गंभीर

हिंदमाता संवाददाता @ तारापुर

डहाणू तालुका के सरावली क्षेत्र में अंधविश्वास और कथित टोना-टोटका (टोना-टोटका) के शक में पड़ोसी दंपती पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। हमले में गंभीर रूप से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके पति की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

महिला ने तोड़ा दम

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सरावली पाटीलपाड़ा निवासी विलास अर्जुन नामकोड की पत्नी लंबे समय से बीमार रहती थी। कुछ दिन पहले उसकी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद आरोपी को संदेह हुआ कि पड़ोसी सुरेश हरजी भरकुड और उनकी पत्नी गुलाब सुरेश भरकुड टोना-टोटका कर रहे थे। इसी शक के चलते बुधवार दोपहर करीब दहाई से तीन बजे के बीच आरोपी ने दोनों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमलों में गंभीर रूप से घायल दंपती को ग्रामीणों और परिजनों ने तत्काल डहाणू उपजिला अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर दोनों को आगे के उपचार के लिए गुजरात के एक अस्पताल में रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान गुलाब भरकुड की मृत्यु हो गई, जबकि सुरेश भरकुड का उपचार जारी है।

आरोपी ने भी खाया जहर

घटना के बाद आरोपी विलास नामकोड द्वारा विषाण करने की जानकारी भी सामने आई है। उसे भी डहाणू उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। अतिनाश विषया गुजर की शिकायत पर डहाणू पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस निरीक्षक किष्ण पवार के मार्गदर्शन में मामले की जांच जारी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है और अंधविश्वास से जुड़ी इस वारदात की व्यापक चर्चा हो रही है।

कुछ ट्रेनों का मार्ग आंशिक

हजूर साहिब नांदेड़-सीएसएमटी एक्सप्रेस को मनामाड में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा, जबकि हिंगोली डेक्कन-सीएसएमटी जनशताब्दी एक्सप्रेस नागिक रोड तक ही चलेगी। वहीं सीएसएमटी से चलने वाली संबंधित वापसी ट्रेनें मनामाड और नाशिक रोड से प्रारंभ होंगी।

कई ट्रेनें रिशेड्यूल

ब्लॉक के चलते सीएसएमटी-हावाड़ा मेल, सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस, सीएसएमटी-गोरखपुर श्रेयशल, सीएसएमटी-बनारस महानगरी एक्सप्रेस सहित कई लंबी दूरी की ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। त्रिगुणों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

शॉर्ट स्टोरी

पर्स चोरी की आरोपी महिलाएं गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

विरार रेलवे स्टेशन पर महिला यात्री के पर्स से 74 हजार रुपए से अधिक की नकदी चोरी करने के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी वसई के हवाले कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, 29 मई 2026 को विरार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर एक महिला यात्री के शोल्डर बैग में रखे मिनी पर्स सहित कुल 74,016 रुपए चोरी हो गए थे। शिकायत मिलने के बाद आरपीएफ की सीपीडीएस टीम ने मामले ले जांच शुरू की और स्टेशन परिसर के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की। जांच के दौरान 3 जून को फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर आरपीएफ टीम ने विरार स्टेशन पर दो संदिग्ध महिलाओं को हिरासत में लिया। पूछताछ में संतोषजनक जबाब न मिलने पर उन्हें आरपीएफ पोस्ट लाया गया एएसआई राधेश सिंह द्वारा की गई पूछताछ में दोनों महिलाओं ने अपनी पहचान पूजा सनी शेंडे (25) और अनीशा सोनु नाडे (23), निवासी आनंद नगर, वर्धा के रूप में बताई। पूछताछ के दौरान दोनों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। इसके बाद दोनों को जीआरपी वसई को सौंप दिया गया। मामले में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच जारी है। यह कार्रवाई आरपीएफ निरीक्षक जे.पी. मीणा के मार्गदर्शन में की गई। आरोपीयों से यात्रा के दौरान अपने सामान और कीमती वस्तुओं की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की गई है।

जनगणना और मतदाता सूची संशोधन की तैयारियों की समीक्षा

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर नगर निगम मुख्यालय में जनगणना तथा मतदाता सूची के विशेष संश्लिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महापौर डिपल विनोद मेहता ने की। बैठक में उपमहापौर ज्योतिशोर पाटिल, सदन नेता एडवोकेट रवि व्यास, नगर आयुक्त शिवनरण्या जी.पन., पार्षद यशपाल शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी जनगणना की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में डेटा संग्रह की सटीकता, नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और प्रशासनिक तंत्र की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। महापौर डिपल मेहता ने जनगणना और एसआईआर प्रक्रिया के महत्व को रेखांकित करते हुए अधिकारियों को नागरिकों तक सही, सटीक और अद्यतन जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनजागरूकता अभियान जलाकर शहर के प्रत्येक नागरिक तक इस प्रक्रिया की जानकारी पहुंचाई जानी चाहिए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने जनगणना एवं मतदाता सूची संशोधन कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

दहेज प्रताड़ना व ट्रिपल तलाक का मामला दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट करने और ट्रिपल तलाक देने के आरोप में भोंवडाड़ा पुलिस ने पति सहित बार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले में दर्ज में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, गुजरात के वलसाड जिले के वापी क्षेत्र निवासी 28 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका निकाह 30 मार्च 2019 को भिवंडी निवासी मोहम्मद आमीर मेहफूज खान के साथ हुआ था। विवाह के बाद वह अपने ससुराल में रहने लगी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शादी के करीब एक महीने बाद से ही पति, सास नूराना बागो खान, ससुर मोहम्मद मेहफूज खान और देवर सारीम खान ने दहेज तथा घरेलू विवादों को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ कई बार गाली-गलोज और मारपीट की गई। महिला ने यह भी दावा किया है कि उसके पति ने तीन बार 'तलाक' कहकर विवाह समाप्त करने की घोषणा की। शिकायत के अनुसार, भरोसा सेल में हुई बातचीत के दौरान पति ने दूसरा विवाह कर लेने की बात भी कही। महिला को शिकायत पर भोंवडाड़ा पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा मुस्लिम महिला (विवाह के अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी और पतिवारी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच पुलिस अधिकारी नवसु फुलफणे कर रहे हैं।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर सुखोई-30 की सफल लैंडिंग

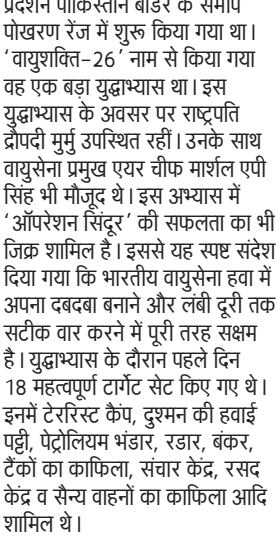
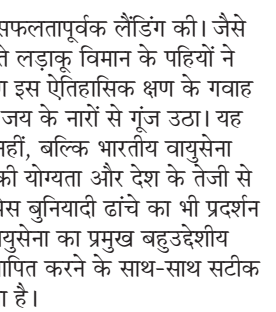
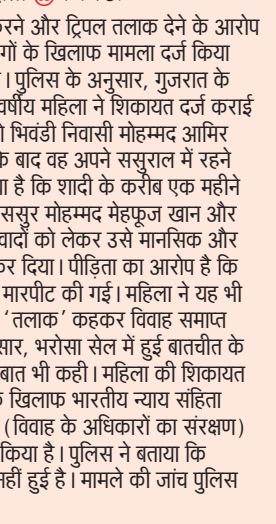
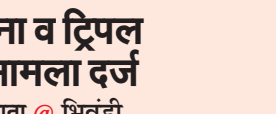
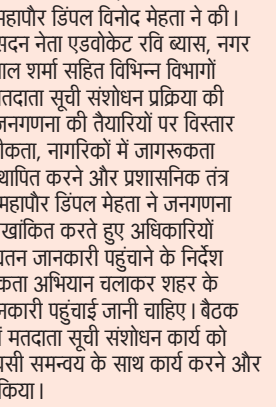
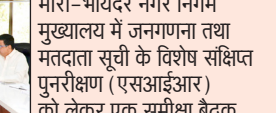
ड्रैगन-पाक को मिला भारतीय वायुसेना का कड़ा संदेश!

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए अपनी अदम्य युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया है। देश के अत्याधुनिक और सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमानों में से एक सुखोई-30 एमकेआई ने गुरुवार को पहली बार नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। जैसे ही इस भारी-भरकम और गर्जना करते लड़ाकू विमान के पहियों ने रनवे को छुआ, वहां मौजूद सभी लोग इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने और पूरा माहौल भारत माता की जय के नारों से गूँज उठा। यह उपलब्धि केवल एक सफल लैंडिंग नहीं, बल्कि भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता, त्वरित तैनाती की योग्यता और देश के तेजी से विकसित हो रहे विमानन एवं एयरोस्पेस बुनियादी ढांचे का भी प्रदर्शन है। सुखोई-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना का प्रमुख बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है, जो वायु श्रेयता स्थापित करने के साथ-साथ सटीक जमीनी हमलों में भी सक्षम माना जाता है।

नागरिक हवाई अड्डे पर लड़ाकू विमान की लैंडिंग के क्या हैं मायने?

रक्षा विश्लेषकों के अनुसार, किसी भी नागरिक (कमर्शियल) हवाई अड्डे पर सुखोई जैसे फ्रंटलाइन लड़ाकू विमान की सफल लैंडिंग यह साबित करती है कि युद्ध या आपातकाल की स्थिति में इस एयरपोर्ट का उपयोग सैन्य अभियानों और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किया जा सकता है। यह देश की नागरिक और सैन्य विमानन संरचना के बीच बेहतरीन तालमेल का प्रतीक है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में इसी रनवे पर भारतीय वायुसेना के सी-295 परिवहन विमान ने लैंडिंग की थी, तब सुखोई-30 ने केवल प्लानिंगास्ट किया था। लेकिन अब सुखोई-30 एमकेआई की वास्तविक लैंडिंग करके वायुसेना ने अपनी क्षमता का विस्तार किया है। भारतीय वायुसेना ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ एक बार फिर यह प्रदर्शित किया है कि वह किसी भी परिस्थिति में देश के विभिन्न हवाई अड्डों से संचालन करने में सक्षम है। सुखोई-30 एमकेआई की यह पहली लैंडिंग भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, आधुनिक सैन्य तैयारी और आत्मविश्वास से भरे एयरोस्पेस क्षेत्र का प्रतीक बन गई है।



पुणे में नाशिक टीसीएस जैसा कांड!

विप्रो में महिला पर धर्मांतरण का दबाव

पीड़िता बोलीं- मुस्लिम से संबंध बनाने कहा

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

देश के आईटी हब पुणे से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। टेक कंपनी विप्रो टेक्नोलॉजीज की एक पूर्व महिला कर्मचारी ने कंपनी और अपनी सहकर्मी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित महिला ने न्याय की गुहार लगाते हुए पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, कंपनी को कानूनी नोटिस भेजकर 50 लाख रुपए के मुआवजे की मांग की है।

विप्रो टेक्नोलॉजीज की पूर्व कर्मचारी ने लगाए गंभीर आरोप

पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये आरोप लगाए गए। इस दौरान विप्रो टेक्नोलॉजीज की पूर्व कर्मचारी ने हिंजवडी ऑफिस में काम करने के दौरान उसके साथ हुए उत्पीड़न के बारे में बताया। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़ित महिला के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है और 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की है। पीड़िता ने कहा कि पिछले साल अगस्त के महीने में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान वह इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। उन्होंने कंपनी पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया।

मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध और हिंदू धर्म छोड़ने का दबाव

विप्रो टेक्नोलॉजीज की पूर्व कर्मचारी पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी महिला सहकर्मी शाहिना रशीद कई बार उस पर इस्लाम धर्म अपनाने और मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। पीड़िता ने कहा कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उस पर हिंदू धर्म छोड़ने का दबाव बनाती थी। पीड़ित महिला ने बताया कि सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे।

शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं

पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि इस उत्पीड़न के बारे में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई थी, लेकिन शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बजाय कंपनी की ओम्बड्स कमेटी में उनके खिलाफ ही शिकायत दर्ज कर दी गई। विप्रो टेक्नोलॉजीज की पूर्व कर्मचारी की शिकायत के बाद पुणे की हिंजवडी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है नाशिक टीसीएस कांड ?

बता दें कि इससे पहले नाशिक की मट्टीनेशनल आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने हिंदू महिला कर्मचारियों का यौन शोषण और ऑफिस में जबरन नमाज पढ़ने, हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया था। इस मामले में मुख्य आरोपी निदा खान सहित कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

नागपुर पुलिस का बड़ा एक्शन

झारखंड से अफीम तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर ग्रामीण पुलिस की मादक पदार्थ विरोधी टीम ने अंतरराज्यीय अफीम तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड के रांची जिले के बुंदू क्षेत्र से 2 किलो 285 ग्राम अफीम तथा अन्य सामग्री सहित कुल 13 लाख 5 हजार 500 रुपए का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई उमरेड में दर्ज अफीम तस्करी के एक मामले की जांच के दौरान की गई। पुलिस के अनुसार 20 मई 2026 को उमरेड में अफीम तस्करी का मामला दर्ज किया गया था। मामले की गहन जांच के दौरान नागपुर ग्रामीण पुलिस के मादक पदार्थ विरोधी पथक ने अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया। इसके तहत 25 मई 2026 को झारखंड के सिमडेगा जिले में छापेमारी कर अफीम आपूर्ति करने वाले आरोपी मनीषकुमार अंबिकाप्रसाद (46), निवासी भंडारटोली, करपनादास, तहसील ठेठईटांगल, जिला सिमडेगा (झारखंड) को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 33.767 किलोग्राम अफीम, 23 लाख 35 हजार रुपए नकद तथा अन्य सामग्री सहित कुल 1 करोड़ 92 लाख 36 हजार 500 रुपए का माल जब्त किया था।

कई राख्यों में सजिये हैं गिरोह पुलिस

अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है और अफीम तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच एजेंसियों का मानना ​​है कि यह गिरोह कई राखियों में सक्रिय हो सकता है। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



कल्पना कीजिए एक ऐसे तैरते हुए महानगर की, जिसमें आपके घर, स्कूल, सुपरमार्केट, अत्याधुनिक अस्पताल, पार्क और यहां तक कि एक पर्सनल एयरपोर्ट भी हो। यह कोई साइंस-फिक्शन फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि समुद्र की लहरों पर हकीकत बनने जा रहा एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसका नाम है ‘फ्रीडम शिप’। इस मेगा प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए (12 अरब पाउंड) है। मूल रूप से 1990 के दशक के आखिर में इंजीनियर नॉर्मन निक्सन द्वारा सोची गई इस अवधारणा को अब फ्रीडम क्रूज लाइन इंटरनेशनल के सीईओ रोजर गूच के नेतृत्व में एक नया जीवन मिला है। अगर यह प्रोजेक्ट साकार होता है तो यह मानव इतिहास का सबसे अनोखा अजूबा होगा।

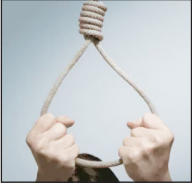
‘उड़ता महाराष्ट्र’ नशे की चपेट में डूबा राज्य

● बंद पड़ी फैक्ट्रियां बन रही ड्रस बनाने का अड्डा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई महाराष्ट्र के औद्योगिक हब कहे जाने वाले जिलों में बंद पड़े कारखाने अब राज्य के युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने का काम कर रहे हैं। सोलापुर के कुरकुंभ और नाशिक जैसे विख्यात औद्योगिक क्षेत्रों में मौजूद बंद पड़ी रासायनिक (केमिकल) इकाइयों को तस्करी में मफेड्रोन (एमडी) जैसी घातक सिंथेटिक ड्रस बनाने की गुप्त प्रयोगशालाओं (लैब) में तब्दील कर दिया है। इन जगहों पर भारी मात्रा में ऐसे रसायनों का भंडारण किया जा रहा था, जिनकी मदद से बेहद कम समय में उच्च क्षमता वाली नशीली दवाएं तैयार की जा सकें। सुनसान और बंद होने के कारण इन फैक्ट्रियों की गतिविधियों पर आम लोगों या जिलों में बंद पड़े स्थानीय प्रशासन का ध्यान आसानी से नहीं जा पाता था। इस अवैध नेटवर्क की जड़ें सिर्फ महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इसका जाल अन्य राज्यों में भी बेहद गहराई से फैला हुआ है। महाराष्ट्र पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की संयुक्त तत्परीश में यह सनसनीखेज सच सामने आया है कि मुख्य सरगनाओं ने कानून के शिकंजे से बचने के लिए तेलंगाना के संगरेड्डी और गुजरात के नांदेद जैसे दूरदराज के इलाकों और फार्महाउसों में अपनी अवैध फैक्ट्रियां स्थापित कर रखी थीं।	मुंबई और ठाणे बन रहे थे ड्रस की मुख्य सप्लाई चेन जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि इन अंतर-राज्यीय और गुप्त ठिकानों पर तैयार की जाने वाली सिंथेटिक ड्रस की खेप को बेहद शातिराना तरीके से सड़क मार्ग के जरिए मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और उपनगरों के बाजारों में खपाया जा रहा था। कॉलेज के युवाओं और नाइट क्लबों को निशाना बनाने वाले इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल के खिलाफ हाल ही में मुंबई और मीरा-भायंदर पुलिस ने साकौनका व अन्य ठिकानों पर ताबडतोड़ छापे मारे हैं। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने न केवल मुख्य कड़ियों को दबाव है, बल्कि बाजार में जाने के लिए तैयार करीब 75 से 100 करोड़ रुपए की ड्रस भी बरामद की है।
---	--

दहेज की मांग बनी मौत की वजह! हिंसा हारी, मोहब्बत जीती

25 साल की नवविवाहिता ने फांसी लगाकर खत्म की जिंदगी

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे पुणे के चंदननगर इलाके से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक विवाहिता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका की पहचान तेजस्विनी गोरख सोनवणे के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 25 साल है। परिवार का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसे ससुराल पक्ष की ओर से लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। तेजस्विनी की मौत के बाद परिजनों में गहरा आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि पति और ससुराल वाले लगातार पैसों और अन्य सामान की मांग कर रहे थे। मामले को गंभीर मानते हुए पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों से न्याय की गुहार लगाई है।	
--	---

क्या है पूरा मामला ?

शिकायत के अनुसार, शादी के कुछ समय बाद ही तेजस्विनी पर मायके से बार-बार पैसे लाने और सामान मांगने का दबाव बनाया जाने लगा। आरोप है कि ससुराल पक्ष चार पहिया वाहन और प्लेट खरीदने के लिए आर्थिक मदद की मांग कर रहा था। इतना ही नहीं, पीड़िता पर मायके से सोने की अंगूठी लाने का भी दबाव डाला जाता था। परिवार का कहना है कि इन मांगों को लेकर उसे बार-बार ताने दिए जाते थे और मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। इससे वह लगातार तनाव में रहने लगी थी।

महिना ने उठाया खौफनाक कदम

परिजनों के मुताबिक, ससुराल वालों द्वारा लगातार की जा रही प्रताड़ना और पैसे के लालच के कारण तेजस्विनी गहरे मानसिक तनाव में थी। आखिरकार इस परेशानी से तंग आकर उसने यह खौफनाक कदम उठाने का फैसला लिया और फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मामले की जानकारी मिलते ही पीड़िता के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर चंदननगर पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जबकि पुलिस सबूतों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है।

काँकरोच जनता पार्टी का समर्थन करेंगे अण्णा हजारे?

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

काँकरोच जनता पार्टी के जंरर मंतर पर दर्शन से पहले शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने बड़ा बयान दिया है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अण्णा हजारे को भी जंतर मंतर जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या शिवसेना यूबीटी काँकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को समर्थन देगी, राऊत ने कहा कि हम सोचेंगे। सांसद संजय राऊत ने कहा- हम 'काँकरोच जनता पार्टी' आंदोलन में शामिल होने के बारे में सोचेंगे। मूल रूप से, यह एक आंदोलन है। इसका कोई राजनीतिक मंच नहीं होना चाहिए। कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, राऊत ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को दिल्ली जाना चाहिए और इन 'काँकरोचों' का समर्थन करना चाहिए। राऊत ने कहा कि हम उनका स्वागत करेंगे। उन्हें अब रालेगांव से दिल्ली जाना चाहिए और उन युवाओं को आशीर्वाद देना चाहिए जो जंतर-मंतर पर इकट्ठा होने वाले हैं। इससे पहले काँकरोच जनता पार्टी ने कहा कि वह अपनी मांगों को लेकर सरकार और विपक्ष दोनों के साथ बातचीत के लिए तैयार है। उसने इसी के साथ स्पष्ट किया कि वह इस सप्ताहांत राष्ट्रीय राजधानी में नीट और सीबीएसई को लेकर उपजे विवादों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदे प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी भी कर रही है। सीजेपी के प्रवक्ता और स्वतंत्र पत्रकार सोरभ दास ने यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित पार्टी के पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार द्वारा सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और फिलचल हिमांशु गुप्ता के तबादले महज 'दिखावा' है।

मुख्यधारा में वापसी: मिल रहे हैं नए अधिकार

सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत अब इन दोनों के नए जीवन को संवारने को कवायद तेज हो गई है। प्रशासन द्वारा इनके नागरिक दस्तावेज, मतदाता पंचान पत्र, आधार, वोटर आईडी, बैंक खाते और अन्य जरूरी कागजात तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही, इन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगारीमुख (रिकल डेवलपमेंट) की ट्रेनिंग भी दी रही है।

जंगलों में छिे नक्सलियों को बड़ा संदेश

गोंदिया पुलिस मुख्यालय में बिना किसी बाधा के संपन्न हुई यह शादी सीधे तौर पर उन नक्सलियों को कड़ा संदेश है जो आज भी भटक रहे हैं। यह घटना साबित करती है कि यदि वे हिंसा छोड़ते हैं, तो सरकार और समाज उन्हें न केवल सुरक्षा देगा, बल्कि खुशहाली से जिंदगी जीने का हक भी देगा। इस पूरे महा-आयोजन को सफल बनाने में पुलिस निरीक्षक प्रमोद भारतने, राजेश सरदे, श्रीकांत हत्तीमारे, मल्लिकार्जुन वासुदेव सहित सी-60 कमांडो पथक और नक्सल सेल के जांबाज अधिकारियों ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

पुणे में बनेगा महाराष्ट्र का सबसे बड़ा आधुनिक बस टर्मिनल

एमएसआरटीसी ने सरकार से मांगी आरे डेयरी की जमीन

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे



एमएसआरटीसी ने राज्य सरकार से वाकडेवाडी स्थित आरे डेयरी की पूरी जमीन अपने कब्जे में देने की मांग की है, ताकि वहां एक स्थायी और आधुनिक एसटी बस टर्मिनल विकसित किया जा सके। यह प्रस्ताव पुणे विभाग की ओर से 1 जून को सरकार को सौंपा गया। एमएसआरटीसी अधिकारियों का कहना है कि यदि यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है तो पुणे में महाराष्ट्र के सबसे बड़े और आधुनिक बस टर्मिनलों में से एक बनाया जा सकता है। इससे रोजाना हजारों यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शहर की परिवहन व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

अस्थायी रूप से चल रहा है शिवाजी नगर डिपो

गौरतलब है कि शिवाजीनगर एसटी बस डिपो वर्ष 2020 से वाकडेवाडी स्थित आरे डेयरी परिसर से संचालित हो रहा है। शिवाजीनगर का मूल बस अड्डा पुणे मेट्रो परियोजना के लिए सौंप दिया गया था। उस समय मेट्रो परियोजना के तहत एक नया एकीकृत बस टर्मिनल विकसित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन विभिन्न एजेंसियों के बीच समझौते में देरी के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। इसके चलते पिछले छह वर्षों से पुणे शहर स्थायी एसटी बस टर्मिनल का इंतजार कर रहा है।

यात्रियों को मिलेंगी उच्च दर्ज की सुविधाएं

एमएसआरटीसी पुणे के विभागीय निर्यंत्रक अरुण रिया ने बताया कि कोर्पोरेशन ने औपचारिक रूप से राज्य सरकार से वाकडेवाडी की जमीन आवंटित करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध जगह पर आधुनिक ट्रांसपोर्ट हब विकसित किया जा सकता है, जिसमें यात्रियों के लिए बेहतर प्रतीक्षालय, पार्किंग व्यवस्था और आधुनिक संचालन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पुणे आने-जाने वाले बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ मिलेगा।

शिवाजी नगर में सबसे व्यस्त डिपो शामिल

शिवाजी नगर एसटी डिपो महाराष्ट्र के सबसे व्यस्त बस डिपो में गिना जाता है। यह पुणे को राज्य के विभिन्न शहरों और जिलों से जोड़ता है। यहां से ई-शिवाई, लाल परी, शिवगिरी, शिवशाही और स्लीपर कोच जैसी विभिन्न श्रेणी की बसें संचालित होती हैं। प्रतिदिन 200 से अधिक बसें यहां से अपनी यात्रा शुरू करती हैं, जबकि आमगन और प्रतिदिन मिलाकर करीब 1,200 बसों की आवाजाही दर्ज की जाती है। डिपो की बसें रोजाना लगभग 55 हजार किलोमीटर का सफर तय करती हैं, परिवहन केंद्रों में शामिल हैं।

गर्लफ्रेंड को आईफोन गिफ्ट करने के लिए की लाखों की चोरी

2 नाबालिग समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर के कलमना थाना क्षेत्र में एक गोदाम से 11 l39 लाख रुपए मूल्य के महंगे नल और अन्य सैनिटरी सामान की चोरी करने वाले दो नाबालिगों समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपियों ने अपनी गर्लफ्रेंड को आईफोन गिफ्ट करने के लिए चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपियों में यशोधरानगर निवासी इरफान अली उर्फ इम्मू रमजान अली और दो नाबालिग शामिल हैं।

शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

इस मामले में राहुल जयवंद ब्रह्मा की शिकायत पर कलमना पुलिस ने मामला दर्ज किया था। राहुल ब्रह्मा कलमना इलाके में राहुल सिरेमिक्स प्रा । लि। कंपनी संचालित करते हैं। उनके गोदाम में टाइम्स, सैनेटरी सामग्री और सीपी फिटिंग का बड़ा स्टॉक रखा हुआ था।

पुलिस उपनिरीक्षक ने दी यह जानकारी

कलमना पुलिस स्टेशन के पुलिस उपनिरीक्षक संतोष कुमार रामलोड ने बताया कि जांच के दौरान कलमना पुलिस ने विभिन्न इलाकों में लगे 25 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खाले। तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। रामलोड ने आगे बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि एक नाबालिग आरोपी की गर्लफ्रेंड ने उससे आईफोन की मांग की थी। उसकी यह इच्छा पूरी करने के लिए आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची और गोदाम से लाखों रुपए का सामान चुरा लिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

बिजली की चपेट में आया 5 साल का मासूम, इलाज के दौरान मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर में एक दर्दनाक हादसे में घर की छत पर खेल रहे 5 वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान मोहम्मद शहाजाद के रूप में हुई है। इस मामले में यशोधरा नगर पुलिस स्टेशन में आकरिष्मक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मद शहाजाद अपने मामा के घर की छत पर खेलने गया था। खेलते समय अचानक उसका संपर्क बिजली के तार से हो गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ा।



तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

परिजन तत्काल उसे इलाज के लिए मेयो अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इलाके में फैली शोक की लहर इस हृदयविदारक घटना से इलाके में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय लोग और परिजन बच्चे की असांयधिक मौत से बेहद दुखी हैं। पुलिस ने आकरिष्मक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। बच्चे की मौत की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। जिसको भी यह खबर मिलती वह घर की ओर दौड़ पड़ता।

विचार प्रवाह



अगर मैं पहले से कोई अंतिम लक्ष्य बना के चलता तो क्या आपको नहीं लगता है कि मैं उसे सालों पहले पूरा कर चुका होता।

- बिल गेट्स

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोग की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों को मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुईं। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्निसर्जक हो लेंकर तब ही जगह आपराधिक लापरवाही नजर आई। मोटे मुनाफे के लिये लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे। निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए।

आज का इतिहास



■ 1989 - ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्लाह रोहेल्लाह खुमेनी का देहांत।

■ 2001 - शाही हत्याकांड जांच आयोग के एक सदस्य माधवन के इस्तीफा से नेपाल में शाही परिवार की जांच का कार्य अवरुद्ध।

■ 2002 - भारत की सीमा पर साझा गश्त के प्रस्ताव को पाकिस्तान ने खारिज किया।

■ 2005 - ताइवान ने अपनी पहली क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

■ 2008 - इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती घोटाले की जांच सीबीआई से कराने का भारत सरकार को निर्देश दिया। एलेन परेरा ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक का कार्यभार सम्भाला।

अमेरिका ने भारत व चीन को निगरानी सूची में डाला।

■ 2017 - सबसे भारी रॉकेट जीएसएलवी मार्क-3 डी-1 का सफल प्रक्षेपण।

■ 1972 - योगी आदित्यनाथ - उत्तर प्रदेश राज्य के 21वें मुख्यमंत्री हैं।

■ 1961 - रमेश कृष्णन

- भारत के प्रसिद्ध टेनिस प्रशिक्षक और पूर्व टेनिस खिलाड़ी का देहांत।

■ 1946 - प्रेम खंडू थंगुन - भारतीय राजनीतिज्ञ तथा अरुणाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे।

■ 1939 - सुब्रमण्यम रामास्वामी - भारतीय राज्य पुदुचेरी के भूतपूर्व चौथे मुख्यमंत्री थे।

■ 1901 - गोविंद शंकर कुरुप (जायनपीठ पुरस्कार से सम्मानित मलयाली भाषा के एक प्रसिद्ध साहित्यकार)

■ 1892 - सिकन्दर हयात खान - स्वतंत्रता पूर्व औपनिवेशिक काल में पंजाब राज्य के प्रधानमंत्री थे।

■ 1879 - एन. एम. जोशी - भारत में 'ट्रेड यूनियन ऑटोलेन' के जन्मदाता थे।

■ 2020 - वेद मारवाह - दिल्ली पुलिस के पूर्व कमिश्नर थे।

■ 1996 - कुबेरनाथ राय - ललित निबंध में विशिष्ट योगदान के लिए जाने जाते हैं।

■ 1942 - मास्टर मदन - प्रतिभाशाली गजल और गीत गायक।

माफी की राजनीति और महाराष्ट्र का भविष्य

लोकलुभावन योजनाओं के बोझ तले दबती अर्थव्यवस्था और विकास की बढ़ती चिंता

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई महाराष्ट्र की महिलाओं ने कभी ऐसी सरकारी 'भाऊबीज' की मांग नहीं की थी और न ही किसानों ने कर्ममाफी की मांग को अपना सबसे बड़ा मुद्दा बनाया था। इसके बावजूद ये दोनों योजनाएं अस्तित्व में आईं। यह स्थिति उस कहावत की याद दिलाती है जिसमें अपनी क्षमता से अधिक खर्च कर दिखावटी उदारता प्रदर्शित की जाती है।

राज्य सरकार द्वारा घोषित 36 हजार करोड़ रुपये की नई किसान कर्ममाफी इसी योजना का ताजा उदाहरण है। यह महाराष्ट्र की पांचवीं कर्ममाफी योजना है। पिछली चार योजनाओं से क्या हासिल हुआ और क्या नहीं, इसका कोई गंभीर मूल्यांकन सामने नहीं आया, फिर भी सरकार एक और कर्ममाफी लेकर आ गई।

महापुरुषों के नाम पर राजनीतिक संदेश

कॉंग्रेस शासनकाल में भी दो बार कर्ममाफी हुई थी, लेकिन उन योजनाओं को केवल कर्ममाफी कहा गया। वर्तमान दौर में स्थिति अलग है। अब योजनाओं को छत्रपति शिवाजी महाराज किसान सम्मान योजना, महात्मा ज्योतिबा फुले कर्ममुक्ति योजना और अब पुण्यश्रोक अहिराव्हेदी होल्कर किसान कर्ममुक्ति योजना जैसे नाम दिए जाते हैं। इससे यह संदेश देने का प्रयास होता है कि सरकार कोई महान और ऐतिहासिक कार्य कर रही है। जबकि वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या सार्वजनिक धन का ऐसा उपयोग राज्य के दीर्घकालिक हित में है।

उदारता के लिए संसाधन भी चाहिए

किसी को सहायता देने के लिए सबसे पहले स्वयं के पास पर्याप्त संसाधन होना आवश्यक है। लेकिन जब सरकारें आर्थिक विवेक को नजरअंदाज कर लोकलुभावन निर्णय लेने लगती हैं और समाज का बड़ा हिस्सा भी उसे स्वीकार कर लेता है, तब आर्थिक गिरावट लगभग तय हो जाती है। महाराष्ट्र में ऐसे संकेत अब स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। योजनाओं की घोषणा आसान है, लेकिन उनका वित्तीय भार अंततः पूरे राज्य को उठाना पड़ता है।

किसानों से अधिक राजनीति की जरूरत

जिस प्रकार कई बार बड़ी परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे के ठेकों की आवश्यकता जनता से अधिक सत्ता और ठेकेदारों को होती है, उसी प्रकार किसान कर्ममाफी भी कई बार किसानों से अधिक राजनेतोंओं की जरूरत बन जाती है। हाल ही में घोषित कर्ममाफी को भी इसी दृष्टि से देखा जा सकता है। पिछली विधानसभा चुनावों के दौरान सरकार ने दो बड़े वादे किए-महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता और किसानों के लिए कर्ममाफी। इन दोनों वगैरे ने ऐसी मांगें प्रमुख रूप से नहीं उठाई थीं, लेकिन चुनावी राजनीति ने इन्हें प्राथमिकता बना दिया।

राजनीतिक लाभ ही बन गया सफलता का पैमाना

जब किसी सरकार के लिए राजनीतिक सफलता ही सफलता का एकमात्र मापदंड बन जाए, तब आर्थिक अनुशासन और दूरदर्शिता पीछे छूट जाते हैं। पिछले दस वर्षों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और चुनावी नतीजों के बीच संबंध देखने पर यह योजना स्पष्ट दिखाई देती है। यदि मुफ्त योजनाएं वोट दिला रही हैं, तो फिर विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों या नीति आयोग जैसी संस्थाओं की सलाह सुनने की जरूरत सत्ता को क्यों महसूस होगी? यही सच लोकतांत्रिक व्यवस्था को अल्पकालिक लाभों की दिशा में धकेलती है।

उद्योग, खेल और मनोरंजन में पिछड़ता राज्य

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय गतिविधियों और 'गिफ्ट सिटी' जैसी परियोजनाओं ने गुजरात को नई पहचान दी है। दूसरी ओर, कभी खेल संस्कृति के लिए प्रसिद्ध न रहे अहमदाबाद जैसे शहर अब बड़े खेल आयोजनों का केंद्र बन रहे हैं। मुंबई केन्द्रित फिल्म उद्योग को भी दक्षिण भारतीय सिनेमा ने कई मामलों में पीछे छोड़ दिया है। आज नई औद्योगिक परियोजनाएं, बड़े निवेश और महत्वपूर्ण खेल आयोजन महाराष्ट्र की बजाय अन्य राज्यों में अधिक दिखाई देते हैं।

नेतृत्व की प्राथमिकताएं बदल गईं

महाराष्ट्र आज ऐसी स्थिति में खड़ा है जहां एक ओर केंद्र का झुकाव दूसरे राज्यों की ओर दिखाई देता है और दूसरी ओर दक्षिणी राज्यों ने अपनी क्षमता के बल पर अलग पहचान बना ली है। वैश्विक कंपनियों के अनेक शीर्ष पदों पर दक्षिण भारत से जुड़े लोग हैं, जो अपने क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में भूमिका निभाते हैं। महाराष्ट्र के पास ऐसी अतिरिक्त ताकत भी सीमित होती जा रही है। इसके बावजूद राज्य का राजनीतिक नेतृत्व विकास की बजाय राजनीतिक जोड़-तोड़ में अधिक व्यस्त दिखाई देता है।

विकास की जगह लोकलुभावन खर्च

वास्तव में इस समय राज्य सरकार को भविष्य निर्माण करने वाली नीतियों पर ध्यान देना चाहिए था। लेकिन प्राथमिकता कुछ और है। सरकार की उपलब्धियां इस बात में खोजी जा रही हैं कि महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर और किसानों की कर्ममाफी करके राजनीतिक विरोधियों को कैसे कमजोर किया जाए। यह रणनीति चुनावी दृष्टि से सफल हो सकती है, लेकिन इससे राज्य की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं होता।

बजट पर बढ़ता असंतुलित बोझ

राज्य की वित्तीय स्थिति पर नजर डालें तो तस्वीर चिंताजनक दिखाई देती है। महिलाओं की योजना पर लगभग 26 हजार करोड़ रुपये, किसान कर्ममाफी पर 36 हजार करोड़ रुपये और कृषि पंपों की बिजली पर लगभग 20 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। केवल इन तीन मदों का कुल खर्च 82 हजार करोड़ से अधिक बैठता है। इसके अलावा राज्य के लगभग दस लाख करोड़ रुपये के कर्ज पर ब्याज भुगतान के रूप में करीब 70 हजार करोड़ रुपये अलग खर्च होते हैं। वेतन, पेंशन और अन्य प्रशासनिक खर्च इससे अलग हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर संकट

जब राज्य के बजट का बड़ा हिस्सा अनुत्पादक या अल्पकालिक राजनीतिक लाभ देने वाली योजनाओं पर खर्च होने लगे, तब शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों की उपेक्षा होना स्वाभाविक है। यदि सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता गिर रही है और स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर पड़ रही हैं, तो इसके पीछे वित्तीय प्राथमिकताओं का यह असंतुलन भी जिम्मेदार है। चिंता की बात यह है कि नई कर्ममाफी के लिए बजट में पहले से पर्याप्त प्रावधान तक नहीं किया गया था।

हनीट्रैप गैंग का पर्दाफाश

●गूगल से खोजे जाते थे शिकार, 11 आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ गुजरात गुजरात के राजकोट जिले में पुलिस ने एक ऐसे हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो लंबे समय से व्यापारियों और कारोबारियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनसे लाखों रुपये की उगाही कर रहा था। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रियंका उर्फ पीयू समेत अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह के शिकार कई और लोग भी हो सकते हैं।

अमीर वर्ग पर रहती थी नजर

जेतपुर नगर पुलिस की जांच में सामने आया कि यह गिरोह खास तौर पर आर्थिक रूप से मजबूत मध्यम वर्गीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और व्यवसायियों को निशाना बनाता था। आरोपियों का मकसद ऐसे लोगों को फंसाकर उनसे मोटी रकम वसूलना था। ग्रामीण इलाकों में भी इस गिरोह की गतिविधियां काफी समय से चल रही थीं।

जांच में खुला राज

कुछ दिन पहले जेतपुर सिटी पुलिस स्टेशन और जामकंडोरा पुलिस स्टेशन में हनीट्रैप गिरोह के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस ने इन मामलों की गहराई से जांच शुरू की। जांच के दौरान पूरी साजिश का खुलासा हुआ और गिरोह की मुख्य महिला सदस्य प्रियंका को दिए गिरफ्तार कर लिया गया।

गूगल से जुटाते थे नंबर

पुलिस के अनुसार, गिरोह का तरीका बेहद सुनियोजित था। आरोपी गूगल सर्च, दुकानों के बोर्ड और अन्य सार्वजनिक स्रोतों से व्यापारियों, फैक्ट्री मालिकों और अंधेड़ उम्र के लोगों के मोबाइल नंबर हासिल करते थे। इसके बाद वे नंबर गिरोह की मुख्य महिला सदस्य प्रियंका को दिए जाते थे, जो आगे की पूरी योजना को अंजाम देती थी।

मीठी बातों से फंसाती थी

जामनगर के कालावड की रहने वाली प्रियंका उर्फ पीयू गिनीया फोन पर व्यापारियों से संपर्क करती थी। वह उनसे दोस्ती बढ़ाती, लगातार बातचीत करती और मीठी-मीठी बातें करके उनका भरोसा जीत लेती थी। धीरे-धीरे वह उन्हें अपने प्रेमजाल में फंसा लेती और फिर मिलने के लिए बुलाती थी।

मिलने पहुंचता था शिकार

जब कोई व्यापारी मिलने के लिए तैयार हो जाता, तब प्रियंका खुद वहां नहीं पहुंचती थी। उसकी जगह किसी दूसरी महिला को भेजा जाता था। जैसे ही व्यापारी तय स्थान पर पहुंचता, गिरोह के चार-पांच सदस्य अचानक वहां पहुंच जाते और उसे घेर लेते थे।

कई जिलों में फैला नेटवर्क

पुलिस जांच में पता चला है कि यह गिरोह पहले भी मोरबी, राजकोट, जेतपुर, वांकारे और जूनागढ़ जिले के भेसान क्षेत्र में कई व्यापारियों को अपना शिकार बना चुका है। इन घटनाओं को लेकर गंभीर धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि गिरोह का नेटवर्क काफी बड़ा हो सकता है।

तकनीकी साक्ष्यों से खुलासा

पुलिस ने बताया कि गिरोह का पदापर्ण तकनीकी साक्ष्यों और मानव खुफिया सूचना के आधार पर किया गया। मुख्य आरोपी प्रियंका की गिरफ्तारी के बाद अदालत ने उसका रिमांड भी मंजूर कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

पीड़ितों से आगे आने की अपील

पुलिस का मानना है कि कई पीड़ित बदनामी के डर से अब तक सामने नहीं आए हैं। इसलिए पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि वे इस गिरोह का शिकार हुए हैं तो बिना किसी झिझक के नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि शिकायतकर्ताओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद सौराष्ट्र के कारोबारी जगत में काफी हलचल मच गई है।

प्रेरक प्रसंग

तैयारी का महत्व

नगरपुर गांव में रहने वाला आरव बहुत ही मेहनती और जिज्ञासु लड़का था। उसके घर के सामने एक खाली जमीन का टुकड़ा पड़ा था। आरव अक्सर अपने दोस्तों के साथ वहां खेला करता था। शाम के समय वह अपने नाना जी के साथ वहां बैठकर बातें करता और प्रकृति का आनंद लेता था। एक दिन आरव के मन में एक नया विचार आया। उसने सोचा कि क्यों न इस खाली जगह को एक सुंदर बगीचे में बदल दिया जाए। उसने अपने नाना जी से अपनी योजना साझा की। नाना जी को भी यह विचार बहुत अच्छा लगा। अगले ही दिन दोनों ने मिलकर जमीन की सफाई की और उसमें आम, अमरुद, टमाटर, बैंगन तथा कई तरह के फूलों के पौधे लगा दिए। आरव रोज सुबह जल्दी उठकर पौधों को पानी देता, उनकी देखभाल करता और आसपास की घास-फूस साफ करता। उसकी मेहनत धीरे-धीरे रंग लाने लगी। कुछ ही महीनों में पौधे बड़े होने लगे और उन पर छोटे-छोटे फूल और रंग-बिरंगे फूल दिखाई देने लगे। बगीचा अब पूरे मोहल्ले की शोभा बन चुका था। लेकिन एक दिन एक अनहोनी हो गई। आरव स्कूल गया हुआ था और नाना जी घर के अंदर आराम कर रहे थे। तभी आसपास घूम रही कुछ बकरियां बगीचे में घुस गईं। उन्होंने कई पौधों को खा लिया और बाकी को नुकसान पहुंचा दिया। जब शाम को आरव वापस लौटा और उसने अपने बगीचे की हालत देखी, तो उसकी आंखों में आंसू आ गए। नाना जी ने उसे शांत किया और समझाया, 'बेटा, केवल मेहनत करना ही काफी नहीं होता। किसी भी काम को सफल बनाने के लिए उसकी सुरक्षा और पूरी योजना भी जरूरी होती है। यदि हमने शुरूआत में ही बगीचे के चारों ओर मजबूत बाड़ लगा दी होती, तो यह नुकसान नहीं होता।

■ आरव को अपनी गलती समझ में आ गई। अगले ही दिन उसने नाना जी के साथ मिलकर पूरे बगीचे के चारों ओर मजबूत जाली और बांस की बाड़ लगा दी। इसके बाद उन्होंने फिर से नए पौधे लगाए। इस बार आरव पहले से भी अधिक सावधानी और लगन के साथ उनकी देखभाल करने लगा। समय बीतता गया और बगीचा फिर से हरा-भरा हो गया। पड़ोस पर फल लटकने लगे, फूलों की खुशबू चारों ओर फैलने लगी।

■ आरव की खुशी का ठिकाना नहीं था। उसने समझ लिया था कि सफलता केवल मेहनत से नहीं, बल्कि सही योजना और तैयारी से भी मिलती है। सीख: किसी भी कार्य की शुरूआत करने से पहले उसकी पूरी तैयारी और सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। अच्छी योजना और मेहनत मिलकर ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है।

राशिफल

मेघ - नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा।

वृषभ-लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशवकत करने से लाभ होगा। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे। लेनदारकी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मिथुन- मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

कर्क - आज देव दर्शन के योग बनेंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृ पक्ष की चिंता दूर होगी। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें। यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह - आज आपका स्वास्थ्य ठीक होगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झड़पों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। अजनाजा भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे।

कन्या - जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी। बेवैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

तुला-उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। वित्तएँ कुछ कम होंगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी।

वृश्चिक- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यााी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। मिलने से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। कुछ आय होगी। माता को कष्ट रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

धनु- व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दुःसमाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा। भयकारक दिन रहेगा। भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है।

मकर- यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ- आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। वित्तएँ जन्म लेगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मीन-आज अचानक अरुद्ध धन लाभ होगा। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। अवस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु वदे रहेगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी।

आदिवासी समुदाय के कार्यक्रम में राहुल गांधी ने किया बड़ा दावा

1 साल के भीतर नरेंद्र मोदी नहीं रहेंगे प्रधानमंत्री

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि चीजों को नियंत्रित करने का 'सिस्टम' अब ध्वस्त हो रहा है और उनका अंदाजा है कि एक साल के भीतर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर नहीं रहेंगे। उन्होंने पार्टी के आदिवासी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह दावा भी किया कि अब सरकार के भीतर से ही 'संस्थागत विद्रोह' शुरू हो रहा है और बहुत बड़ी आर्थिक सुनामी आने वाली है। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम में उनके द्वारा दिए गए भाषण का एक संक्षिप्त वीडियो जारी किया है।



राहुल गांधी ने कहा कि भयंकर आर्थिक सुनामी आने वाली है क्योंकि इस सरकार ने अर्थव्यवस्था को सुरक्षित करने वाले कवच को ही हटा दिया है... इतनी भयंकर आर्थिक सुनामी आने वाली है कि आप लोगों ने अपनी जिंदगी में नहीं देखा होगा।

■ उन्होंने दावा किया कि एक तरफ भयंकर आर्थिक सुनामी आने वाली है और दूसरी तरफ 'सिस्टम' के भीतर ही 'संस्थागत विद्रोह' हो रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि आप सोच रहे हैं कि निर्वाचन आयोग तो पूरी तरह नियंत्रित है। तीन साल पहले नियंत्रित था। अब मुझे मुख्य चुनाव आयुक्त के संदेश आ रहे हैं, खुफिया सिस्टम के प्रमुख और उच्च न्यायपालिका के लोगों की तरफ से विद्रोह हो रहा है, मुझे संदेश आ रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि चीजों को नियंत्रित करने का जो 'सिस्टम' था, वह ध्वस्त हो रहा

है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य मंत्रियों के बारे में जानकारीयां आ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि यह भी हो सकता है कि ये लोग जनता के दबाव को कुचलने के लिए आपातकाल जैसा कदम उठा दें। अब चीजें सरकार के नियंत्रण से बाहर जा रही हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जब वह प्रधानमंत्री के पास जाते हैं तो प्रधानमंत्री उनके साथ आंख से आंख मिलाकर बात नहीं कर पाते। राहुल गांधी ने दावा किया कि मेरा अंदाजा है कि एक साल के भीतर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे।

टाणे, शुक्रवार 5 जून, 2026

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर कसा तंज

कुर्सी स्थायी नहीं होती, आती-जाती रहती है

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नागपुर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी करने वाली एक छात्रा की कथित आत्महत्या की घटना को लेकर गुरुवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था की बर्बादी की कीमत पूरी एक युवा पीढ़ी चुका रही है। उन्होंने दावा किया कि छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि मोदी जी की एक भ्रष्ट, टूटी हुई व्यवस्था की देन है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। आकांक्षा के पिता किसान हैं। बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर तीन लाख रुपए का कर्ज लिया। नागपुर में खुद रसोइए की नौकरी कर लीं, ताकि बेटी वहां कॉर्चिंग कर सके।

■ उन्होंने कहा कि एक पिता जो कर सकता था, उसने सब किया। फिर नीट पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। उस अनिश्चितता में आकांक्षा हमें छोड़कर चली गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि और धर्मप्रधान जी? आज भी कुर्सी पर हैं। फिर वही संमिति। वही तबादला। वही जांच। न सुधार, न न्याय। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी, कुर्सी स्थायी नहीं होती, आती-जाती रहती है। लेकिन आपने 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को जिस हद तक बर्बाद किया है, उसकी कीमत भारत की एक पूरी युवा पीढ़ी चुका रही है।



नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड होगा ध्वस्त

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पंडित नेहरू ने अपना पहला लोकसभा चुनाव जीतने के बाद 13 मई, 1952 को शपथ ली थी और अपने निधन तक यानी 27 मई, 1964 तक लगातार 4398 दिनों तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में काम किया था। नरेंद्र मोदी, जिन्होंने 26 मई, 2014 को कार्यभार संभाला था, वह 10 जून को 4399 दिन पूरे कर लेंगे और नेहरू से आगे निकल जाएंगे। इससे पहले वे इंदिरा गांधी के 4077 दिनों के लगातार कार्यकाल के रिकॉर्ड को पहले ही पार कर चुके हैं।

लगातार तीन जीत : नेहरू के बाद मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सत्ता में रहते हुए लगातार तीन लोकसभा चुनाव (2014, 2019 और 2024) जीतकर इतिहास रचा है।

बहुमत का 'डबल' : वे पहले ऐसे गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार दो पूर्ण बहुमत वाले कार्यकाल पूरे किए हैं।

भारत-रूस के बीच होने जा रही सबसे बड़ी ऐतिहासिक एयरक्राफ्ट डील

बोइंग-एयरबस को मिलेगी कड़ी चुनौती

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और रूस के बीच नागरिक विमानन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक समझौते की संभावना सामने आई है। रूस की सरकारी विमान निर्माण कंपनी United Aircraft Corporation (UAC) के प्रमुख वॉदिम बादेखा (Vadim Badekha) ने संकेत दिया है कि भारतीय एयरलाइंस रूस के आधुनिक यात्री विमानों Sukhoi SJ-100 और Ilyushin Il-114-300 में गंभीर रुचि दिखा रही हैं।

200 विमानों की खरीद की चर्चा

रिपोर्टों के अनुसार भारतीय एयरलाइंस लगभग 200 रूसी विमानों की संभावित खरीद पर विचार कर सकती हैं। यदि यह सौदा होता है तो यह भारत और रूस के बीच नागरिक विमानन क्षेत्र की सबसे बड़ी डील में से एक होगी। यह कदम ऐसे समय पर सामने आया है जब भारतीय एयरलाइंस को नए विमानों की डिलीवरी के लिए Boeing A320X Airbus से लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

भारत के लिए क्यों अहम है यह सौदा ?

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। और वाले वर्षों में भारतीय एयरलाइंस को सैकड़ों नए विमानों की जरूरत होगी। रूस के साथ संभावित साझेदारी से विमान आपूर्ति के नए स्रोत खुल सकते हैं। एयरबस और बोइंग पर निर्भरता कम हो सकती है। प्रतिस्पर्धा बढ़ने

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में 10 जून की तारीख स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसा 'महा-रिकॉर्ड' बनाए जा रहे हैं, जिसने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के दशकों पुराने कीर्तिमान को भी पीछे छोड़ दिया है। 10 जून को मोदी लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित होकर लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले देश के पहले राजनेता बन जाएंगे।

'अंत्योदय' से बदली देश की तस्वीर

मोदी सरकार की नीतियों ने न केवल वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ाया है, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुविधाओं को पहुंचाया है। हवाई याता, हाईस्पीड ट्रेनें और एक्सप्रेसवे जैसी चीजें, जो कभी विलासिता मानी जाती थी, वे आज आम भारतीय के जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। कोविड महामारी और आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच उनके कुशल नेतृत्व की सराहना आज पूरी दुनिया कर रही है। 10 जून को बनने वाला यह रिकॉर्ड न केवल नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का भी प्रतीक है।

सियासी पिव पर 'मोदी मैजिक' के बड़े आंकड़े

विदेशी संसदों में गूंज : जहां नेहरू ने अपने जीवनकाल में 3 विदेशी संसदों को संबोधित किया था, वहीं मोदी अब तक 19 विदेशी संसदों को संबोधित कर भारत की कूटनीतिक धमक दिखा चुके हैं।

सम्मानों की झड़ी : वैश्विक मंच पर मोदी का कद इस बात से समझा जा सकता है कि उन्हें अब तक 30 अंतरराष्ट्रीय और सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जबकि नेहरू को उनके कार्यकाल में 2 विदेशी राजकीय सम्मान मिले थे।

पैनिक मोड में है मोदी सरकार : जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को केंद्र पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार 'पैनिक मोड' में है और मौजूदा आर्थिक हालात को लेकर अपने ही इकोसिस्टम के अंदर से दबाव का सामना कर रही है। पर एक पोस्ट में, जयराम ने लिखा कि मोदी सरकार साफ तौर पर पैनिक मोड में है और मौजूदा आर्थिक हालात को लेकर अपने ही इकोसिस्टम के अंदर से घिरी हुई है। एक टेलीविजन न्यूज प्रलेख का हवाला देते हुए, रमेश ने दावा किया कि सरकार फरिन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर द्वारा इंडियन गवर्नमेंट सिक्योरिटीज में किए गए इन्वेस्टमेंट पर 12.5 परसेंट लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को पूरी तरह से हटाने के लिए इनकम टैक्स एक्ट में बदलाव करने के लिए एक ऑर्डिनंस लाने पर विचार कर रही है।



जयराम रमेश बोले...

जयराम ने कहा कि एक टीवी चैनल की न्यूज प्रलेख कि मोदी सरकार 'पैनिक मोड' में है और मौजूदा आर्थिक हालात को लेकर अपने ही इकोसिस्टम के अंदर से दबाव का सामना कर रही है। पर एक पोस्ट में, जयराम ने लिखा कि मोदी सरकार साफ तौर पर पैनिक मोड में है और मौजूदा आर्थिक हालात को लेकर अपने ही इकोसिस्टम के अंदर से घिरी हुई है। एक टेलीविजन न्यूज प्रलेख का हवाला देते हुए, रमेश ने दावा किया कि सरकार फरिन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर द्वारा इंडियन गवर्नमेंट सिक्योरिटीज में किए गए इन्वेस्टमेंट पर 12.5% लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। यह रेट जुलाई 2024 के यूनिशन बजट में तय किया गया था। रमेश ने तर्क दिया कि अगर यह कदम लागू किया जाता है, तो यह इकोनमी में गहरे स्ट्रक्चरल मुद्दों को हल करने के बजाय एक 'बैंड-एड' सॉल्यूशन होगा। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड-हाई

कॉर्पोरेट कमाई के बावजूद भारत में प्राइवेट कॉर्पोरेट इन्वेस्टमेंट कमजोर बना हुआ है, और GDP में हिस्से के तौर पर इन्वेस्टमेंट में गिरावट आई है। जयराम ने कहा कि असली प्रॉब्लम यह है कि इंडिया में प्राइवेट कॉर्पोरेट इन्वेस्टमेंट बहुत कम है। जो लोग इंडिया में इन्वेस्ट कर सकते हैं और उन्हें करना ही है, वे या तो विदेश में इन्वेस्ट कर रहे हैं या देश में इन्वेस्टमेंट टाल रहे हैं। कॉर्पोरेट की कमाई रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, लेकिन फिर भी GDP के % के तौर पर प्राइवेट कॉर्पोरेट इन्वेस्टमेंट की दर में असल में काफी गिरावट आई है। बैंड-एड ऑर्डिनंस हेवलाइन तो दे सकते हैं, लेकिन प्राइवेट कॉर्पोरेट इन्वेस्टमेंट की कम दरों के

स्ट्रक्चरल कारणों को ठीक करने का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि असली मजदूरी में ठहराव, इनकम और दौलत में बढ़ती असमानता, इकोनॉमिक पावर का बढ़ता कंसंट्रेशन, और जांच एजेंसियों के कथित गलत इस्तेमाल से बना 'डराने वाला माहौल' जैसे फैक्टर हैं। जयराम ने आगे कहा कि इनमें असली मजदूरी में ठहराव, इनकम और दौलत में बढ़ती असमानता, एक के बाद एक सेक्टर में इकोनॉमिक पावर का बढ़ता कंसंट्रेशन, और जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल से बना डराने वाला माहौल शामिल है। चीन से इपोर्ट को बढ़ने देने से घरेलू इन्वेस्टमेंट की परेशानियां और बढ़ी हैं।

ममता बनर्जी के खिलाफ दर्ज हुई FIR

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। ममता के खिलाफ FIR दर्ज करवाने का कारण गृह मंत्रालय के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ और विवादित बयान देना है। पुलिस प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, सिलीगुड़ी के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एक वकील की शिकायत को आधार बनाते हुए ममता को खिलाफ FIR दर्ज कर ली गई है।



... कहे तो इस्तीफा दे दूं: हुमायूं कबीर

पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब एजेन्सी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विधानसभा में वापसी का खुला प्रस्ताव दिया। हाल ही में तुण्मूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले कबीर ने कहा कि यदि ममता बनर्जी चाहें तो वह रेंजिंगर सीट खाली कर उनके लिए रास्ता बना सकते हैं। मुर्शिदाबाद जिले की नवादा और रेंजिंगर सीट से 2026 विधानसभा चुनाव जीतने वाले हुमायूं कबीर ने कहा कि नंदीग्राम से ममता बनर्जी की जीत मुश्किल हो सकती है, लेकिन रेंजिंगर से वह आसानी से विधानसभा पहुंच सकती हैं। हुमायूं कबीर ने कहा कि अगर ममता बनर्जी मेरे पास आती हैं, तो मैं उन्हें रेंजिंगर से विधानसभा भेज सकता हूं। अगर वह नंदीग्राम से चुनाव लड़ेंगी तो जीत नहीं पाएंगी। लेकिन अगर वह चाहें, तो मैं इस्तीफा देकर उनकी जीत सुनिश्चित करूंगा।

क्या है पूरा मामला ?

बताया जा रहा है कि ममता ने कोलकाता के रानी राशमोनी रोड पर आयोजित एक जनसभा में मबांग्लादेशी नागरिक उस्मान हादी की हत्या का मुद्दा उठाया था और इस मामले में सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय और गृह मंत्री अमित शाह को लेकर विवादित बयान दिए थे। इस मामले में वकील रिंकी सेन चटर्जी ने शिकायत दर्ज करवाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री पर देश की छवि खराब करने और दो देशों के बीच तनाव पैदा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, उस्मान हादी की हत्या पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश में हुई थी। उन्हें राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने गिरफ्तार किया था। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को सार्वजनिक सभा में उठाकर संकेत दिया कि उन्हें इस हत्या के पीछे के किरदारों की जानकारी है और उन्होंने इसके लिए गृह मंत्रालय को जिम्मेदार ठहराया। वकील ने दिया ये तर्क इस मामले में शिकायतकर्ता वकील ने कहा कि अगर ममता को इस बारे में जानकारी थी उन्हें इसे सीधे गृह मंत्रालय के सामने उठाना चाहिए था। अब सार्वजनिक रूप से इसे 'गृह मंत्रालय के आदेश पर की गई सुनियोजित हत्या' बताया भारत और बांग्लादेश के बीच के राजनयिक संबंधों को प्रभावित कर सकता है।

क्या था ममता का बयान

पूर्व मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि राज्य की STF ने बांग्लादेश से जुड़े एक आरोपी को पकड़ा था, जिसके बाद वहां बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे तत्व मेघालय के रास्ते बांगाल की सीमा में प्रवेश करते हैं और पकड़े जाते हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया कि वे लंबे समय तक इस विषय पर चुप रहीं, लेकिन अब इस पर बोलना जरूरी हो गया था।

डीएमके इंडिया गठबंधन बैठक में नहीं लेगा हिस्सा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार में कांग्रेस के शामिल होने के बाद डीएमके ने विपक्षी एकता को बड़ा झटका दिया है। आठ जून को नई दिल्ली में होने वाली इंडिया की बैठक से डीएमके ने दूरी बना ली है। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस पार्टी ने जो डीएमके के साथ चुनाव के बाद विश्वासघात किया है, उससे पार्टी के कार्यकर्ता अब भी काफी आहत महसूस कर रहे हैं। पिछले महीने आए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों में विजय की पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीती थीं, जिससे डीएमके की सत्ता चली गई। कांग्रेस ने सबसे पहले टीवीके को समर्थन देने का ऐलान किया और बाद में वापसी भी दलों समेत अन्य छोटे-छोटे दलों और एआईएडीएमके के विधायकों ने भी पक्ष में वोट दिया। कांग्रेस लंबे समय से डीएमके की सहयोगी रही है और राहुल गांधी डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन को अपना भाई तक बताते रहे। तमिलनाडु चुनाव भी कांग्रेस और डीएमके ने साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन नतीजों के बाद टीवीके के साथ कांग्रेस ने जाने का फैसला किया।



■ डीएमके ने जारी बयान में कहा कि डीएमके कार्यकर्ता तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा डीएमके के साथ किए गए विश्वासघात से अब भी बहुत आहत महसूस कर रहे हैं। उनकी भावनाओं को देखते हुए, पार्टी 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में हिस्सा नहीं लेगी। खासकर इसलिए, क्योंकि यह एक ऐसी बैठक है जिसमें कांग्रेस पार्टी भी शामिल होगी। डीएमके इस बैठक में शामिल नहीं होगी, फिर भी वह हमेशा की तरह, देश के कल्याण से जुड़े उन मुद्दों पर अपनी आवाज उठाती रहेगी, जिन्हें बैठक में शामिल अन्य पार्टियों द्वारा उठाया जा सकता है।

सीएम शिवकुमार ने दिया युवाओं बड़ा तोहफा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कनाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, युवा-छात्र केंद्रित कल्याणकारी पहल की घोषणा की, जिनमें छात्रों के लिए मुफ्त बस पाने, 10,000 भारत जोड़ो युवा संघों का गठन और निजी रोजगार एक्सचेंज की स्थापना शामिल हैं। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद, शिवकुमार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कल्याणकारी उपायों पर निर्णय लिया गया, जिनमें सभी छात्रों को गैर-लग्जरी सरकारी बसों में मुफ्त बस पास उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में युवाओं की भरती के लिए कार्यक्रमों की एक सूची जल्द ही घोषित की जाएगी।

■ मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पहले ही 56,000 नौकरियों की घोषणा कर चुकी है। अगली कैबिनेट बैठक तक, हम सभी विभागों को बुलाएंगे और एक कैलेंडर जारी करेंगे जिसमें अधिसूचना जारी करने और भरती प्रक्रिया शुरू होने की तारीख बताई जाएगी। शिवकुमार ने यह भी कहा कि निजी रोजगार एक्सचेंज स्थापित किए जाएंगे जहां नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार पंजीकरण करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि निजी रोजगार एक्सचेंज की कार्यप्रणाली एक महीने के भीतर तय कर ली जाएगी। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने सरकार के पहले चरण के नीतिगत निर्णयों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी छात्रों के लिए, चाहे वे 10वीं, ग्यारहवीं-बारहवीं, डिग्री या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में हों, हम बिना किसी से शुल्क लिए मुफ्त बस पास दे रहे हैं।

हिंदमाता एंकर: बीजेपी की इस सूची में अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है...

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने घोषित किए 11 उम्मीदवार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपने राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग को बड़ा मौका देते हुए मैदान में उतारा है। उनके साथ रजनीश अग्रवाल को भी राज्यसभा उम्मीदवार बनाया गया है।



अलका गुर्जर को राजस्थान से टिकट

राजस्थान में पार्टी ने इस बार केंद्रीय मंत्री रत्नपति सिंह बिंदू को टिकट देने से इनकार कर दिया है। उनकी जगह डॉक्टर अलका गुर्जर और डॉक्टर सतीश पुनिया को मैदान में उतारा गया है। बीजेपी की इस सूची में अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है।

मध्य प्रदेश से तरुण चुग उम्मीदवार

मध्य प्रदेश से तरुण चुग को पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय भूमिका के चलते राज्यसभा भेजने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं राजस्थान में नए चेहरों को मौका देकर पार्टी ने संगठनात्मक संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है। राज्यसभा चुनाव में इन उम्मीदवारों की जीत लगभग तय मानी जा रही है।

राज्यों के अनुसार सूची

अरुणाचल प्रदेश गुजरात	ताई तामगा राजुभाई शुकला मुकेशभाई राठवा मार्कसिंह परमार जीतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया	मध्य प्रदेश मणिपुर राजस्थान	तरुण चुग रजनीश अग्रवाल ए. शारदा देवी अलका गुर्जर सतीश पुनिया
--------------------------	--	-----------------------------------	--

यूपी में 206 पीपीएस अधिकारियों का तबादला

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन में बड़ा बदलाव करते हुए प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) के 206 अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार डिटो एमपी स्तर के अधिकारियों को विभिन्न जिलों, कमिश्नरेटों, पीएसी बटालियनों तथा विशेष इकाइयों में नई तैनाती दी गई है। तबादला सूची में लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, अयोध्या, झांसी, बरेली और नोएडा सहित प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों एवं पुलिस कमिश्नरेटों के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल के तहत कई अधिकारियों को जिला पुलिस से कमिश्नरेट प्रणाली में स्थानांतरित किया गया है, जबकि कुछ अधिकारियों को पीएसी, सीआईडी, रेलवे पुलिस और अन्य विशेष सुरक्षा इकाइयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

■ सरकार के आदेश के अनुसार विभिन्न जनपदों में तैनात क्षेत्राधिकारियों (सीओ) और पुलिस उपाधीक्षकों के कार्यक्षेत्र में भी व्यापक बदलाव किया गया है। कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों के साथ सेवेदनशील और महत्वपूर्ण तैनाती दी गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री सुरक्षा, पुलिस मुख्यालय, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों तथा विशेष शाखाओं में भी अधिकारियों की नई नियुक्तियां की गई हैं। माना जा रहा है कि यह फेरबदल कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए तथा प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। सरकार के इस निर्णय के बाद कई जिलों में पुलिस व्यवस्था और कार्यप्रणाली में बदलाव देखने को मिल सकता है। अधिकारियों को शीघ्र ही नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

1978 में कत्ल, 2024 में खुला राज और 2026 में मिला इंसाफ

संभल में दंगा पीड़ितों को योगी सरकार ने वापस बसाया

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

यूपी के संभल में गुरुवार को कब्रिस्तान से कब्जा मुक्त हुई जमीन पर 1978 के दंगा पीड़ित परिवार बसाए गए। पुलिस-प्रशासन और मंत्री की मौजूदगी में हवन-पूजन के बाद आशियाने की नींव रखी गई। जमीन का पट्टा मिलने के बाद परिवारों के चेहरे खिल उठे।

सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल के बाद ये सपना साकार हो सका। आपको बता दें कि प्रदेश सरकार के मंत्री जेपीएस राठौर, मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह, संभल के डीएम अंकित खंडेलवाल और एएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शेर खा सराय इलाके में 1978 के दंगा पीड़ित रस्तोगी परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन का पट्टा आवंटित किया। यह पुनर्स्थापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए आश्वासन और दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में विधि-विधान से हवन-पूजन और मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन करके मकान की नींव रखकर किया गया। संभल हिंसा के बाद इस पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री से पलायन के बाद दोबारा बसने की गुहार लगाई थी। यह वही सरकारी भूमि है जिसे प्रशासन ने 10 महीने पहले 12 अगस्त 2025 को कब्रिस्तान के अवैध कब्जे से बुलडोजर चलाकर पूरी तरह मुक्त कराया था।



1978 के दंगे का खौफनाक सच

दरअसल, 24 नवंबर 2024 की हिंसा के बाद संभल में 1978 के दंगों का एक बेहद खौफनाक सच सामने आया था। उस वक्त दंगाइयों ने राम सरन दास रस्तोगी की दुकान पर चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी थी। बेरहमी की हद यह थी कि शव के टुकड़े कर उसे तराजू से बांधा और दुकान के सामने वाले कुएं में फेंक दिया। तीन दिन बाद जब शव मिला, तो उस पर चाकू के 109 निशान थे। इसके बाद धर्मकियों से परेशान होकर रस्तोगी परिवार ने संभल से पलायन कर दिया था।

कब्रिस्तान की जमीन पर भूमि पूजन

इस ऐतिहासिक दिन पर मृतक राम सरन दास रस्तोगी की पुत्रवधू रुक्मन रस्तोगी और पौत्र कपिल रस्तोगी को जमीन आवंटन का आधिकारिक प्रमाण पत्र सौंपा गया। पट्टा देने से पहले इस कब्जा मुक्त हुई जमीन पर दंगा पीड़ित परिवार से बाकायदा वैदिक रीति-रिवाज से हवन-पूजन कराया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे यूपी सरकार के मंत्री जेपीएस राठौर और तमाम बड़े प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने आवृत्तियां दीं। इसके बाद सबसे मिलकर पीड़ित परिवार के नए आशियाने की मजबूत नींव रखी।

प्रशासन और सरकार का सख्त रुख

समारोह में पहुंचे मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि 1 साल पहले पीड़ित परिवार ने संपर्क किया था, जिसके बाद मुरादाबाद से पुरानी पत्रावलि्या निकालकर शासन को भेजी गई। मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि जो भी दंगा पीड़ित परिवार संभल में वापस पुनर्स्थापित होना चाहता है, प्रशासन उसकी पूरी मदद करेगा और जमीन आवंटित की जाएगी।

यूपी में दौड़ेंगी 1725 एसी ई-बसें

योगी सरकार ने 18 शहरों को दिया तोहफा

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार शाम आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेश के 18 शहरों में ग्रांस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर 1725 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य नगरीय परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल और यात्री सुविधाओं के अनुरूप बनाना है। योजना के तहत आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा-वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी तथा नोएडा (जेवर सहित) में 9 मीटर और 12 मीटर श्रेणी की कुल 1725 एसी ई-बसों का संचालन किया जाएगा।



जीसीसी मॉडल पर चलाई जाएंगी बसें

इन बसों का संचालन निजी ऑपरेटरों द्वारा जीसीसी मॉडल पर किया जाएगा और अनुबंध की अवधि वाणिज्यिक संचालन लिथि से 12 वर्ष होगी। कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों की विस्तृत जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कुल 24 प्रस्तावों को कैबिनेट की ओर से स्वीकृति दी गई। जीसीसी मॉडल के अंतर्गत बसों की खरीद, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना, चालक एवं तकनीकी कर्मियों की उपलब्धता, बसों का संचालन और अनुरक्षण की पूरी जिम्मेदारी निजी ऑपरेटरों की होगी। निर्धारित मानकों के आधार पर उन्हें संचालन एवं अनुरक्षण शुल्क का भुगतान किया जाएगा। योजना के तहत 12 मीटर ई-बस पर 40 लाख रुपए तथा 9 मीटर ई-बस पर 35 लाख रुपए प्रति बस की दर से अनुदान भी दिया जाएगा।

अभी 743 इलेक्ट्रिक बसें चल रहीं

परियोजना के लिए आवश्यक डिपो निर्माण हेतु भूमि संबंधित नगर निगमों और नोएडा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। किराया एवं उपयोगकर्ता शुल्क का निर्धारण राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। इस योजना से सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा, प्रदूषण में कमी आएगी और यात्रियों को आरामदायक, सुरक्षित एवं समयबद्ध परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही निजी निवेश के माध्यम से सरकारी वित्तीय भार कम होगा और प्रदेश के शहरों में आधुनिक शहरी परिवहन तंत्र को नई मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि अभी 15 नगर निगमों में नगरीय परिवहन निदेशालय द्वारा 743 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है।

गाजियाबाद में अवैध मदरसे पर चला बुलडोजर

2 घंटे में बिल्डिंग ध्वस्त

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

गाजियाबाद कमिश्नरेट के मसूरी थाना क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध मदरसे को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पांच बुलडोजर मौके पर लगाए गए, जिन्होंने करीब दो घंटे के भीतर पूरे निर्माण को गिरा दिया।

प्रशासन ने इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए भारी पुलिस बल भी तैनात किया था। इससे एक दिन पहले ही खोड़ा क्षेत्र में तीन मदरसों को सील कर दिया था। ये कार्रवाई खोड़ा क्षेत्र में हुई सूर्या चोहान की हत्या के बाद की गई थी। हालांकि सूर्या को मारने वाला असद भी एनकाउंटर में मारा गया था। वहीं आज मसूरी क्षेत्र के जिस मदरसे पर बुलडोजर को कार्रवाई की गई, ये भी अवैध रूप से बना था। प्रशासन को कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या की आशंका थी। इसी को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई।



मदरसा संचालक पर जुमाना और मुकदमा

प्रशासन ने मदरसा संचालक फारूक पर 1 करोड़ 23 लाख रुपए का जुमाना भी लगाया है। इसके साथ ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लेखपाल अनुपम मिश्रा की शिकायत पर मसूरी थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अब यह भी जांच की जाएगी कि मदरसे के संचालन और निर्माण के लिए फंडिंग कहां से हो रही थी। अधिकारियों ने कहा कि यदि जांच में अन्य अनियमितताएं सामने आती हैं तो उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों और भू-माफियाओं के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर हाउस अरेस्ट

सत्ता परिवर्तन यात्रा से पहले एक्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अब एक साल से भी कम समय बाकी है और सुबे का सिपायी पारा चढ़ने लगा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रभाव रखने वाली आजाद समाज पार्टी (एएसपी) के प्रमुख एडवोकेट चंद्रशेखर ने आज यानी 4 जून से सत्ता परिवर्तन यात्रा निकालने का ऐलान किया था। इस यात्रा की शुरूआत से पहले पुलिस ने एएसपी प्रमुख को हाउस अरेस्ट कर लिया है। नगीना से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर को बिजनौर जिले के धामपुर स्थित उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट करने के पीछे सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का हवाला दिया है। पुलिस-प्रशासन के मुताबिक चंद्रशेखर की पार्टी को यह यात्रा निकालने के लिए अनुमति नहीं दी गई थी। वह बगैर अनुमति के ही यात्रा निकालने की तैयारी में थे। जानकारी के मुताबिक चंद्रशेखर की इस यात्रा का पहला चरण तीन दिन तक चलना था। यात्रा की शुरूआत से पहले चंद्रशेखर की पार्टी धामपुर इलाके में ही सत्ता परिवर्तन रैली की तैयारियों में जुटी थी। इस रैली के लिए आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता कई दिन से तैयारी में लगे थे। सोशल मीडिया के जरिये लोगों से इस रैली में बड़ी तादाद में शामिल होने

की अपील भी लगातार एएसपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की ओर से की जा रही थी। इस रैली के लिए एएसपी को अनुमति भी नहीं मिली थी और इसके बावजूद बड़ी रैली की तैयारी ने पुलिस-प्रशासन के कान खड़े कर दिए। एएसपी प्रमुख चंद्रशेखर रैली के लिए निकल पाते, उससे पहले ही बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उनके घर पहुंच गए। पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट कर लिया। चंद्रशेखर के आवास पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। चंद्रशेखर के घर पर चार थानों की पुलिस फोर्स लगाई गई है। धामपुर थाने के प्रभारी और कई अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और चंद्रशेखर को हाउस अरेस्ट के आदेश की जानकारी दी। गौरतलब है कि चंद्रशेखर ने यात्रा का ऐलान करते हुए कहा था कि यह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों पर आधारित होगी। इस यात्रा के जरिये बहुजन समाज, पिछड़े, आदिवासी, किसान, युवा और महिलाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। चंद्रशेखर की पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार डॉक्टर अंबेडकर के अस्थिकलश दूसरे स्थान पर ले जाना चाहती है। इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। चंद्रशेखर ने पेपर लीक को जघन्य अपराध घोषित करने, कक्षा 1 से 12 तक मुफ्त शिक्षा, पदोन्नति में आरक्षण और अति पिछड़ी जातियों के लिए 15% अतिरिक्त आरक्षण को मांग समेत कुल 32 मुद्दों को अपनी यात्रा का एजेंडा बताया था।



बागपत में चाय बनाते समय सिलेंडर में लगी आग

जिंदा जला 4 साल का बच्चा

हिंदमाता नेटवर्क @ बागपत

बागपत में घर में चाय बनाते समय छोटे व बड़े सिलेंडर में लगी आग से झुलसे एक 4 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वहीं, उसका 10 वर्षीय भाई, दादा-दादी व चाचा आग से झुलस गए। आग लगे सिलेंडर को किसी तरह घर के बाहर फेंका गया, जिसे पड़ोसियों ने किसी तरह बुझाया। बच्चे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में जानकारी जुटाई। वहीं, परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। दरअसल, यह घटना बड़ौत शहर कोतवाली क्षेत्र के पठानकोट मोहल्ले में देर रात हुई। यहां हासिम अपने माता-पिता, पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। देर रात घर में चाय बनाते समय अचानक बड़े सिलेंडर में लीकेज होने से आग लग गई। इससे पास में रखा 5 किलोग्राम वाला छोटा सिलेंडर भी आग की चपेट में आ गया। आग लगने से घर में चीख-पुकार मच गई। पहले तो सभी घर से बाहर भागने लगे, लेकिन जब 4 वर्षीय जैद पुत्र हासिम कहाँ नहीं दिखा तो सभी दोबारा घर के अंदर दौड़े। डर की वजह से जैद एक चारभाई के नीचे छिप गया था। उसे बाहर निकालने में उसके दादा कव्यूम, दादी संजीदा और 10 वर्षीय भाई हुसैद भी झुलस गए। गंभीर रूप से आग



में झुलस चुके जैद को आनन-फानन में दिल्ली ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घर में आग लगे सिलेंडर को बाहर निकालने में जैद के चाचा कसीम भी बुरी तरह झुलस गए। सिलेंडर को बाहर एक खाली प्लॉट में फेंकने के बाद भी उससे आग की लपटें काफी ऊंचाई तक उठती रहीं, जिससे मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल रहा। किसी तरह पड़ोसियों ने सिलेंडर में लगी आग पर काबू पाया। सूचना पर पुलिस में भी मौके पर पहुंचकर पूरी जानकारी जुटाई। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों ने मृतक जैद का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है। बताया गया है कि मृतक 4 वर्षीय जैद छह भाई-बहनों (दो लड़के और चार लड़कियां) में सबसे छोटा था। जैद के पिता हासिम गाड़ी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, जबकि परिवार के दूसरे सदस्य भी मजदूरी करते हैं।

गौंगस्टर शंकर पांडे पर चले बुलडोजर, तभी चैन से जी पाएगा मेरा परिवार

कमलेश बिंद के एनकाउंटर के बाद विनीत के पिता की सीएम योगी से गुहार

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजीपुर

यूपी की गाजीपुर पुलिस ने होटल व्यवसायी विनीत राय की हत्या के पांचवें दिन एक बड़ी कामयाबी हासिल की। नामजद चार आरोपियों में शामिल एक लाख रुपये के इनामी बदमाश कमलेश चौधरी बिंद को मुठभेड़ में मार गिराया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। एनकाउंटर के बाद मृतक व्यवसायी के पिता आलोक राय ने 'आज तक' से बातचीत में पुलिस की इस कार्रवाई का पूरी तरह समर्थन किया। पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जिले के व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और फरार चल रहे गैंग सरगना शंकर पांडे के पूरे नेटवर्क को नेस्टनाबूद करने की भावुक अपील की है।



फरार अपराधियों पर चले बुलडोजर

आलोक राय ने सुबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपराध नियंत्रण नीति का हवाला देते हुए मांग की कि फरार चल रहे अपराधियों और उनके पूरे आर्थिक नेटवर्क पर बुलडोजर जैसी कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार और पुलिस की पहचान हमेशा से कानून का राज स्थापित करने की रही है, इसलिए इस जघन्य मामले में भी अपराधियों के साथ उसी सख्ती की अपेक्षा है।

मुफ्त इलाज के बदले मांगी 25 हजार की रिश्तव

पीड़ित महिला रेशमा मुजफ्फरनगर की रहने वाली है। करीब डेढ़ महीना पहले उसकी 14 साल की मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी का एक्सीडेंट हो गया था, जिससे उसके दाहिने पैर की हड्डी टूट गई थी। गरीबी के कारण रेशमा अपनी बेटी को लेकर जिला सरकारी अस्पताल पहुंचीं। वहां डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों ने कहा कि ऑपरेशन करना पड़ेगा और इसके लिए 25000 रुपये का खर्च आएगा। रेशमा ने रोते हुए अस्पताल स्टाफ के सामने हाथ जोड़े। उसका कहा, मेरा कोई कमाने वाला नहीं है, पति इस दुनिया में नहीं है। मैं बच्ची का पेट बूझिकल पालती हूँ, इतने पैसे कहाँ से लाऊंगी? लेकिन सरकारी डॉक्टरों का दिल नहीं पसीजा। पैसे न मिलने पर अस्पताल कर्मियों ने बच्ची को बेड पर लावारिस छोड़ दिया और साफ कह दिया कि बिना पैसें के ऑपरेशन नहीं होगा।



डॉक्टरों ने कहा- पागल लड़की मर भी गई तो क्या?

जब सरकारी अस्पताल से कोई उम्मीद नहीं बची, तो रेशमा-चाय की गुहार लेकर जिलाधिकारी (डीएम) के दरबार में पहुंचीं। डीएम साहब ने महिला को लवाची और बच्ची की हालत देखकर तुरंत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को फोन लगाया और सख्त आदेश दिए कि बच्ची का ऑपरेशन पूरी तरह मुफ्त किया जाए। लेकिन यह आदेश जिला अस्पताल के डॉक्टरों को नगवार गुजरा। रेशमा का आरोप है कि डीएम दफ्तर से लौटते ही अस्पताल के सभी डॉक्टर एक हो गए।

खट से आवाज आई और जुटती हुई हड्डी को फिर तोड़ दिया

ऑपरेशन के बाद रेशमा अपनी बेटी को लेकर घर आ गईं। डॉक्टरों ने कहा था कि कुछ दिनों बाद बच्ची को वेकअप के लिए लाना होगा ताकि घुटने की एक्सरसाइज कराई जा सके, वरना घुटना जाम हो जाएगा। तब तारीख पर रेशमा अपनी बेटी को लेकर दोबारा जिला अस्पताल पहुंचीं। उस दिन इयूटी पर डॉक्टर चतुर्वेदी थे, जिन्होंने बच्ची का ऑपरेशन किया था। रेशमा का आरोप है कि डॉक्टर चतुर्वेदी और वहां मौजूद स्टाफ ने उनके साथ बेहद बदतमीजी से बात की। मानसिक रूप से बीमार बच्ची डॉक्टरों को देखकर घबरा रही थी, तो उसे जबरन और बेहद बेरहमी से बेड पर लिटाया गया। इसके बाद डॉक्टर ने बच्ची के पैर को इतनी जोर से और जबरन मोड़ा कि बच्ची दर्द से चीख उठी।

शॉर्ट स्टोरी

जमीन विवाद में फायरिंग, 4

घायल, बुजुर्ग की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ वैशाली



बिहार के वैशाली जिले में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। हाजीपुर के बिंदपुर थाना क्षेत्र स्थित रहिमापुर गांव में दो पक्षों के बीच लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद को लेली जमकर गोलीबारी हुई। इस घटना में एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए, जबकि फायरिंग की आवाज सुनकर एक बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। गोली चलने की आवाज सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए। इलाके में तनाव बढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। जानकारों के मुताबिक, विवादित जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच कई वर्षों से कानूनी लड़ाई चल रही थी। बुधवार को इसी जमीन पर निर्माण कार्य के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद खुनी संघर्ष में बदल गया। घायल पक्ष के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान दूसरे पक्ष के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और विवाद शुरू हो गया। कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से फायरिंग होने लगी। इससे पूरे इलाके में भगदड़ जैसे हालात बन गए। गोलीबारी में तेज नारायण सिंह की पत्नी गीता देवी को गोली लग गई। इसके अलावा तेज नारायण सिंह और उनके भतीजे जयवंद को पिरतौल की बट और लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया। वहीं, दूसरे पक्ष के शिव कुमार के भी गोली लगने की सूचना है। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों की निगरानी में सभी घायलों की हालत पर नजर रखी जा रही है। इस घटना का सबसे दुखद फलू गांव के 65 वर्षीय राजेंद्र सिंह की मौत रही। बताया जा रहा है कि गोलीबारी की तेज आवाज और अचानक पैदा हुए तनावपूर्ण माहौल को देखकर उन्हें हार्ट अटैक आ गया।

खान सर की कोचिंग के 2

गाइर्स को उठा ले गई पुलिस

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना



बिहार की राजधानी पटना में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग के विवाद में अब नया टिवरस्ट आ गया है। खान सर ने अपनी कोचिंग के बाहर 10 राउंड फायरिंग का दावा किया था। पटना पुलिस ने फायरिंग की घटना से इनकार किया था, जिसके बाद खान सर ने अपने दावे से एक ही दिन में यू-टो ले लिया था। अब इस मामले में नया टिवरस्ट आ गया है। अब पटना पुलिस ने फायरिंग के केस में खान सर की कोचिंग के ही दो गाइर्स को उठा लिया है। रोशन आनंद की कोचिंग के लोगों और खान सर की कोचिंग के लोगों में जो मारपीट की घटना हुई थी, उसके बाद खान सर के ही गाइर्स ने फायरिंग की थी। फायरिंग की इस घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी शख्स ने बना लिया था।उस शख्स को पकड़कर लोगों ने मोबाइल फोन से वीडियो डिलीट की करया था। हालांकि, यह वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में खान सर की कोचिंग के ही गाइर्स फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद एखशन में आई पटना पुलिस ने खान सर की कोचिंग के दो गाइर्स को पकड़ लिया है। फायरिंग केस में आए इस नए टिवरस्ट के बाद अब कोचिंग संचालक खान सर के ऊपर भी गिरफ्तारी की तलाश लटक रही है। दरअसल, इस पूरे विवाद के बीच पुलिस ने ज्ञानदीप कोचिंग के डायरेक्टर को पकड़ लिया था। ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रोशन आनंद की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस ने खान सर की कोचिंग के गाइर्स को भी पकड़ लिया है। गौरतलब है कि पटना के मुसल्लहपुर में खान सर का कोचिंग सेंटर है।

बिहार के अस्पताल में भीषण आग, 5 मरीजों की मौत, 20 का रेस्क्यू

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर



बिहार के मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल में आग लगने का मामला सामने आया है। ये आग प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में लगी थी, जिसमें अब तक 3 मरीजों की मौत होने की खबर है। लेकिन सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात ये है कि आग लगने के बाद अस्पताल का स्टाफ मरीजों को आग में जलता छोड़कर फरार हो गया। प्रसाद अस्पताल में सुबह करीब 3 बजे आग भड़क उठी। शुरूआती जानकारी के मुताबिक आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। वहीं, इस हादसे के बाद मौके पर मौजूद मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गैर-मानवीय होने के आरोप लगाए हैं। एक पीड़ित परिजन ने बताया कि उनके पिता अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थे और इस हादसे में उनकी जान चली गई। परिजन का आरोप है कि आग लगने पर अस्पताल के डॉक्टर और सभी कर्मचारी मरीजों को तड़पात हुआ छोड़कर फरार हो गए। परिजन का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने मृत मरीजों के शव तब मुहैया नहीं कराए। अग्निशमन अधिकारी ने भी बताया कि जब फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची, तो अस्पताल का ज्यादातर स्टाफ वहां से फरार था। दमकल कर्मियों ने आईसीयू और अस्पताल के दूसरे वाडों की खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर वहां फंसे मरीजों का रेस्क्यू किया। इस हादसे में अब तक 20 से ज्यादा मरीजों के घायल होने की खबर है। इन मरीजों की हालत भी नाजुक बताई जा रही है और ऐसे में मौतों का आंकड़ा भी बढ़ सकता है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। जिलाधिकारी खुद सेन ने तीन मीत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आसपास के अस्पतालों में भी कुछ गंभीर मरीज भर्ती हैं। उनकी स्थिति के बारे में भी पूता किया जा रहा है। फिलहाल तीन डेढ़ बोड़ी यहाँ हैं। उन्होंने बताया कि आगे सभी तरह की जांच कराई जा रही है। अभी मौतों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

पाकिस्तान के लोगों को ही अपने देश पर भरोसा नहीं

10 में से 8 ने कहा- हमारा मुल्क सही रास्ते पर नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद
पाकिस्तान के ज्यादातर लोगों को लगता है कि उनका देश सही दिशा में नहीं जा रहा है। मार्केट रिसर्च कंपनी इप्सोस के एक सर्वे में यह बात सामने आई है। सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 10 में से 2 पाकिस्तानी यानी 20% लोग ही मानते हैं कि देश सही रास्ते पर है, जबकि 80% लोगों का कहना है कि पाकिस्तान गलत दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सर्वे पिछले महीने किया गया था। इसमें पाकिस्तान के चारों प्रांतों, इस्लामाबाद, गिलगित-बाल्टिस्तान और आजाद जम्मू-कश्मीर के 1,000 से ज्यादा लोगों से बातचीत की गई। सर्वे के मुताबिक, देश की दिशा को लेकर लोगों का भरोसा घटकर 22% रह गया है। इसी साल अमेरिका-ईरान तनाव के दौरान यह आंकड़ा बढ़कर 40% तक पहुंच गया था, लेकिन अब फिर से तेजी से गिर गया है।

पाकिस्तान में कोरोनाकाल जैसे हालात
रिपोर्ट के मुताबिक, हालात अब लगभग कोविड-19 महामारी के समय जैसे हो गए हैं। लोगों ने महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक परेशानियों को देश की सबसे बड़ी समस्याएं बताया। जब लोगों से अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो केवल 5 में से 1 व्यक्ति यानी 20 फीसदी लोगों ने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मजबूत है। सर्वे में यह पता चला कि पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ज्यादा उम्मीद है। युवा लोग भी बुजुर्गों के मुकाबले अधिक सकारात्मक नजर आए।

पाकिस्तान में कोरोनाकाल जैसे हालात
रिपोर्ट के मुताबिक, हालात अब लगभग कोविड-19 महामारी के समय जैसे हो गए हैं। लोगों ने महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक परेशानियों को देश की सबसे बड़ी समस्याएं बताया। जब लोगों से अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो केवल 5 में से 1 व्यक्ति यानी 20 फीसदी लोगों ने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मजबूत है। सर्वे में यह पता चला कि पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ज्यादा उम्मीद है। युवा लोग भी बुजुर्गों के मुकाबले अधिक सकारात्मक नजर आए।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरानी हमले में एक भारतीय की मौत

आईआरजीसी ने कहा- अमेरिकी कार्रवाई का बदला लिया

हिंदमाता नेटवर्क @ कुवैत
कुवैत में भारतीय दूतावास ने बुधवार को एक्स पर जानकारी दी कि कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस हमले में कम से कम 63 अन्य लोग घायल हुए हैं। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-समद ने कहा, 63 घायल लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें गंभीर चोटें भी शामिल हैं। जैसे सिर में चोट, सेरेब्रल हेमरेज, अंग कटना और धमाके से लगी चोटें हैं। उन्होंने आगे बताया कि एयरपोर्ट पर 25 एम्बुलेंस भेजी गई थीं। ईरान के हमले के बाद पीड़ितों के लिए भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। दूतावास ने कहा कि वह कुवैती अधिकारियों के साथ करीबी तालमेल बनाकर काम कर रहे हैं, ताकि पीड़ित परिवार और हमले में घायल हुए लोगों को हर संभव मदद और सहायता दी जा सके। वहीं सिविल एविएशन ऑफिस के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने बताया कि टर्मिनल वन पर हमलों के कारण जान-माल का नुकसान और हवाई अड्डे की सुविधाओं को क्षति पहुंचने के बाद, कुवैत ने बुधवार को अपनी हवाई सेवाएं बंद कर दी हैं।

अमेरिकी हमले का लिया बदला- आईआरजीसी
ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि यह हमला, एक ईरानी तेल टैंकर और एक दीप पर अमेरिका की ओर से किए गए हमलों के बदले में किया गया है। ईरान ने ये हमला अमेरिका और उसके सहयोगियों को एक सबक देने के इरादे से किया है, ताकि भविष्य में अमेरिका और इजराइल ऐसी कार्रवाई न करें।

मौत को मात देकर एवरेस्ट से लौटा नेपाली

6 दिनों तक लापता रहने के बाद रेंगते हुए पहुंचा बेस कैंप

हिंदमाता नेटवर्क @ काठमांडू
दुनिया की सबसे ऊंची और खतरनाक चोटी माउंट एवरेस्ट पर एक बहुत ही बड़ा और हैरान करने वाला चमत्कार हुआ है। यहां 30 मई की सुबह से लापता एक बेहद अनुभवी नेपाली गाइड हिलेरी दावा शेरपा 6 दिन बाद गुरुवार को वापस लौट आए हैं। उनके जिंदा लौटने की किसी को भी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी और सभी लोग उन्हें पूरी तरह मरा हुआ समझकर गहरा शोक मना रहे थे। सारामथा प्राप्रक्षण निगम समिति की एक टीम ने इस बहादुर गाइड को सुरक्षित रूप से बेस कैंप के पास रेंगते हुए पाया है। इस खतरनाक और जानलेवा चढ़ाई में अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले शेरपा रेंगते हुए खुद बेस कैंप तक सुरक्षित पहुंचे हैं। ए 8के एक्सपीडिशनस के पेम्बा शेरपा ने तुरंत काठमांडू के एक बड़े अस्पताल में उन्हें भेजने के लिए हेलीकॉप्टर की विशेष व्यवस्था की। इस व्यस्त सीजन में यह सबसे बड़ा और हैरान करने वाला सफल रेस्क्यू ऑपरेशन बन गया है, जिसने सबको चौंका दिया। यह ऐतिहासिक घटना इस बात का बहुत बड़ा प्रमाण है कि एक मजबूत ईंसानी जज्बा मौत को भी आसानी से मात दे सकता है।

एवरेस्ट पर मौत का डेथ जोन
मशहूर पर्वतारोही क्रिस श्रॉल और नेपाली गाइड हिलेरी दावा शेरपा ने 29 मई की शाम लगभग 5 बजे 8849 मीटर ऊंची चोटी को सफलतापूर्वक फरह किया था। इस बड़ी सफलता के बाद 30 मई को वे दोनों कैंप वार से नीचे की ओर उतर रहे थे, जो 7950 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है। यह बर्फीला इलाका ऑक्सीजन की भारी कमी और खराब मौसम के कारण बहुत ज्यादा खतरनाक डेथ जोन माना जाता है।

खराब मौसम और लंबी चढ़ाई
क्रिस श्रॉल ने अपने वीडियो में बताया कि वापसी का सफर खराब मौसम की वजह से बहुत ज्यादा लंबा और थका देने वाला हो गया था। जो पर्वतारोहण का सफर सामान्य रूप से 5 दिन में पूरा हो जाना चाहिए था, उसमें पूरे 11 दिन का लंबा समय लग गया था। शेरपा के भयानक बर्फीले तूफान में गायब होने के बाद कई सर्वे टीमों ने उन्हें ढूँढने का बहुत ज्यादा और व्यापक प्रयास किया था। अंततः गुरुवार की सुबह यह बहादुर गाइड अपनी अद्भुत और अदम्य हिम्मत से बर्फ पर रेंगते हुए सुरक्षित बेस कैंप पहुंच गया।

हिंदमाता हंकर यह सम्मान सभी मानवीय सहायता अभियानों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का एक बेहद खूबसूरत और शानदार परिणाम है

अबू धाबी के बीएपीएस मंदिर को मिला ग्लोबल टॉलरेंस अवॉर्ड 2026 वैश्विक सर्वोच्च सम्मान से वैश्विक स्तर पर पहचान

हिंदमाता नेटवर्क @ अबू धाबी
ग्लोबल अवार्ड से अबू धाबी के इस भव्य मंदिर को एक बहुत ही ऐतिहासिक पहचान मिली है। विश्व में शांति और मानवीय एकता का संदेश फैलाने वाले इस मंदिर को टॉलरेंस अवॉर्ड 2026 दिया गया है। यह सम्मान इंटरनेशनल डायलॉग और सिविलाइजेशन एंड टॉलरेंस कॉन्फ्रेंस में विश्व पटल पर प्रदान किया गया। यह पुरस्कार सहिष्णुता, संवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को वैश्विक रूप से बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को मिलता है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार केवल एक संस्था का सम्मान नहीं है, बल्कि उन मानवीय मूल्यों को सच्ची स्वीकृति है। इस संस्था ने समाज में मानवता, करुणा, एकता और पारस्परिक सम्मान को बहुत ही मजबूती से हमेशा स्थापित किया है। मंदिर ने विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोगों को एक मंच पर लाकर विश्व-बंधुत्व का एक बहुत ही अद्भुत उदाहरण दिया है। यह सम्मान सभी मानवीय सहायता अभियानों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का एक बेहद खूबसूरत और शानदार परिणाम है।



ने कहा कि आज सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि एआई या मशीनें हमारे लिए क्या कर सकती हैं। बल्कि मुख्य सवाल यह है कि एआई के प्रभाव से हम किस प्रकार के मनुष्य और समाज का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति के शाश्वत आदर्शों मातृदेवो भव, पितृदेवो भव और वसुधैव कुटुम्बकम् का बहुत सुंदर उल्लेख किया। उनका मानना ​​है कि एक मजबूत परिवार ही एक मजबूत समाज और समृद्ध राष्ट्र का बहुत ही ठोस आधार होता है। परम पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज द्वारा प्रेरित घर सभा की महान परंपरा को उन्होंने आधुनिक युग की जरूरत बताया। इस परंपरा में परिवार प्रतिदिन कुछ समय साथ बैठकर प्रार्थना, सार्थक संवाद और गहरी आत्मीयता का अनुभव करता है।

पड़ोसी देशों में सस्ता हुआ पेट्रोल: चीन,पाकिस्तान और नेपाल में घटे दाम

भारत में कब मिलेगी राहत?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आने के कारण वैश्विक स्तर पर पेट्रोल की औसत कीमत 147.90 रुपये से घटकर 145.99 रुपये प्रति लीटर पर आ गई है। इस गिरावट का लाभ भारत के कई पड़ोसी देशों को मिला है, जहां जून महीने से ईंधन की कीमतों में कटीती दर्ज की गई है।



■ ग्लोबल पेट्रोल प्राइस के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कई पड़ोसियों ने अपने नागरिकों को राहत दी है :

पाकिस्तान : यहां पेट्रोल की औसत कीमत 139.41 रुपये से घटकर 130.82 रुपये प्रति लीटर पर आ गई है। डीजल के दाम भी यहां 139.07 रुपये से घटकर 130.48 रुपये हो गए हैं।

चीन और नेपाल : चीन में पेट्रोल अब 132.81 रुपये और नेपाल में 135.86 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। नेपाल में डीजल की कीमतों में भी मामूली गिरावट आई है।

म्यांमार : यहां पेट्रोल के दाम घटकर 140.20 रुपये रह गए हैं।

बढ़ते दाम : इसके विपरीत, श्रीलंका में पेट्रोल के दाम बढ़कर 142.00 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं, जो पड़ोसी देशों में सबसे अधिक है। बांग्लादेश और भूटान में भी पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि या स्थिरता देखी गई है।

भारत में स्थिति :
स्थिरता के बीच बढ़ोतरी की आशंका भारत में पेट्रोल की औसत कीमत फिलहाल 108.71 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जो वैश्विक औसत दर से लगभग 37.28 रुपये सस्ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में अभी कीमतें कम होना मुश्किल लग रहा है क्योंकि सरकार ने युद्ध और चुनाव के दौरान पहले ही टैक्स में 10-10 रुपये की कटौती कर राहत दी थी। रेटिंग एजेंसी फ़िसिल ने चेतावनी दी है कि तेल कंपनियों के घाटे की भरपाई के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम में करीब 2.5 रुपये प्रति लीटर की और बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। यदि ऐसा होता है, तो हालिया महीनों में कुल बढ़ोतरी 10 रुपये के करीब पहुंच जाएगी। भारत में ईंधन की कीमतों में वास्तविक गिरावट अभी संभव है जब ईरान युद्ध समाप्त हो और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 से 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ जाए।

कनाडा के पीआर प्रोसेस में होने वाले हैं बड़े बदलाव

अभी से कर लें ये 3 तैयारी

हिंदमाता नेटवर्क @ कनाडा
अगर आप कनाडा में स्थायी निवास पाने का सपना देख रहे हैं, तो आने वाले महीनों में एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कनाडा सरकार फिलहाल अपनी प्रमुख ढफचयन प्रणाली में सुधारों पर काम कर रही है। हालांकि अभी ये बदलाव अंतिम रूप से लागू नहीं हुए हैं, लेकिन सरकार ने संकेत दिए हैं कि अगले 12 से 18 महीनों में नई व्यवस्था लागू की जा सकती है। इमिग्रेशन विशेषज्ञों का मानना ​​है कि भारतीय उम्मीदवारों को अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, क्योंकि नए सिस्टम में प्रतिस्पर्धा और बढ़ सकती है।

कुशल कार्य अनुभव बढ़ाने पर दें ध्यान
सरकार पिछले तीन सालों की अंदर कम से कम एक साल के कुशल कार्य अनुभव को मानक बनाने पर विचार कर रही है। ऐसे में भारतीय उम्मीदवारों को अपने क्षेत्र में लगातार और दस्तावेजी रूप से प्रमाणित कार्य अनुभव जुटाने पर ध्यान देना चाहिए। आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग, फाइनेंस और ट्रेड सेक्टर जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। अगर आपके पास अभी पर्याप्त अनुभव नहीं है, तो अगले एक-दो सालों में इसे पूरा करने का प्रयास करना फायदेमंद साबित हो सकता है।



भाषा परीक्षा में बेहतर स्कोर
कनाडा की पीआर प्रक्रिया में भाषा स्कोर हमेशा से सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक रहा है। प्रस्तावित बदलावों के बाद भी इसकी अहमियत कम होने की संभावना नहीं है। आईईएलटीएस या सेलपिप जैसी भाषा परीक्षाओं में बेहतर स्कोर पाने वाले उम्मीदवारों को चयन में फायदा मिल सकता है। जिन लोगों के भाषा परीक्षा परिणाम छह महीने या उससे अधिक पुराने हो चुके हैं, वे दोबारा परीक्षा देने पर विचार कर सकते हैं। इससे न सिर्फ उनका स्कोर बेहतर हो सकता है, बल्कि नई प्रणाली लागू होने तक उनके परिणाम वैध भी बने रहेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूत भाषा स्कोर वर्तमान सीआरएस सिस्टम में भी उम्मीदवारों को अतिरिक्त अंक दिलाता है और भविष्य की किसी भी नई रैंकिंग प्रणाली में उनकी स्थिति बेहतर बना सकता है।

प्रोफेशनल सर्टिफिकेट और ट्रेड क्वालिफिकेशन
प्रस्तावित सुधारों में ट्रेड और तकनीकी व्यवसायों को अधिक महत्व दिए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, वेल्डर, मैकेनिक और अन्य रिस्कल्ड ट्रेड्स से जुड़े लोगों के लिए अतिरिक्त अवसर बन सकते हैं। इसके अलावा, अपने क्षेत्र से संबंधित मान्यता प्राप्त प्रोफेशनल सर्टिफिकेट हासिल करना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे आपकी प्रोफाइल मजबूत होगी और जॉब मार्केट में भी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सकती है। कनाडा सरकार ने अभी तक नए सिस्टम की पूरी रूपरेखा सार्वजनिक नहीं की है इसलिए यह कहना मुश्किल है कि भविष्य में किस कारक को कितना महत्व मिलेगा लेकिन अब तक सामने आई जानकारी से इतना स्पष्ट है कि बेहतर भाषा स्कोर, मजबूत कार्य अनुभव और मान्यता प्राप्त योग्यताएं ढाफकी दौड़ में उम्मीदवारों को बढ़त दिला सकती हैं।

बांग्लादेश में खसरे का भयंकर कहर, 600 से ज्यादा मौतें

वैक्सीन की कमी ले रही जान

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका
बांग्लादेश में स्वास्थ्य की स्थिति बेहद खराब हो गई है और चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। देश भर में खसरे का कहर बहुत ही तेजी से फैल रहा है जिससे सभी आम लोग काफी ज्यादा डरे हुए हैं। हाल ही में बुधवार को इस खतरनाक बीमारी से सात और बेगुनाह बच्चों की दुखद मौत की खबर सामने आई है। इस भयानक महामारी ने मासूम बच्चों को सबसे ज्यादा अपना शिकार बनाया है जिससे लोगों के बीच भारी दहशत है। अब तक इस गंभीर बीमारी से होने वाली मौतों का कुल डरानावा आंकड़ा 601 के पार पहुंच गया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने पिछले 24 घंटों में इन नई मौतों की आधिकारिक जानकारी विस्तार से दी है। महीने में हालात और भी ज्यादा बयारब हो गए जब सैकड़ों लोगों ने तड़प कर अपनी जान गंवाई। पूरे देश में इस भयंकर बीमारी को जल्द रोकने के लिए तुरंत कड़े कदम उठाने की बहुत सख्त जरूरत है।



बढ़ते मामलों का खौफ

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 1,210 नए संदिग्ध मरीजों के मामलों की पहचान हुई है। इस बहुत ही तेज वृद्धि के कारण कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 74,572 तक पहुंच गई है। वहीं 55 नए मामले आने से कुल मरीजों की संख्या 9,191 हो गई है। ताजा रिपोर्ट और आंकड़ों के अनुसार अब तक 90 मौतों की आधिकारिक रूप से पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा 511 मौतों को अभी भी संदिग्ध खसरे की गंभीर श्रेणी में रखा गया है। हर दिन बढ़ रहे इन भयंकर और डरावने आंकड़ों ने पूरे देश के लोगों को हडबोला कर रख दिया है। पूरे देश में यह भयंकर स्वास्थ्य संकट अब लगातार बढ़त ही ज्यादा गहराता जा रहा है।

एआई सशक्त परिवार की जरूरत

अपने उद्बोधन के समापन पर स्वामी जी ने एक अत्यंत प्रेरक और बहुत ही सकारात्मक संदेश पूरी दुनिया को दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य केवल अधिक बुद्धिमान मशीनों से नहीं बनेगा बल्कि वह अधिक सशक्त परिवारों से निर्मित होगा। इसके लिए अधिक संवेदनशील हृदयों और अधिक करुणायुक्त समुदायों की बहुत ज्यादा आवश्यकता इस आधुनिक समाज को होगी। हमें केवल एआई निर्भर परिवार नहीं चाहिए, बल्कि ऐसे एआई सशक्त परिवार चाहिए जो मानवीय भावनाओं से भी गहराई से जुड़े हों। यह ऐतिहासिक सम्मान मंदिर की उस वैश्विक और बहुत महत्वपूर्ण भूमिका का एक बहुत ही सच्चा और सुंदर प्रतीक है। इसके माध्यम से यह भव्य मंदिर विश्वीय संस्कृतियों, समुदायों और देशों को आपस में प्यार और शांति से जोड़ रहा है। यह पूरे विश्व में शांति, आपसी संवाद और मानव एकता की एक बहुत ही नई और सकारात्मक प्रेरणा बन रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि जहां विविधता का पूरा सम्मान होता है, वहीं सच्ची और स्थायी एकता का उदय होता है।

बिजनेस वर्ल्ड

मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ टिकटोंक फाउंडर बने एशिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स, नंबर-1 पर कौन है?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ टिक टॉक फाउंडर एशिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। न्युज ऐप से शुरूआत हुई और फिर टिक टॉक बनाया। अब इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स टिकटॉक के शॉर्ट वीडियो टैंड को फॉलो करते हैं। दुनिया की टैक इंडस्ट्री में हर दिन नई कहानियां बनती हैं, लेकिन कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जो पूरी दुनिया को चौंका देती हैं। ऐसी ही एक कहानी है टिकटॉक बनाने वाले झांग यिमिंग की, जिन्होंने हाल ही में एशिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। अंबानी को पीछे छोड़ बाइडूआस यानी टिक टॉक के फाउंडर एशिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। इनकी नेटवर्थ 92.8 बिलियन डॉलर है, जबकि मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 86.9 बिलियन डॉलर है। पहले नंबर पर गौतम अडानी हैं जिनकी नेटवर्थ 117.4 बिलियन डॉलर है। ये डेटा फोर्ब्स की ताजा रैंकिंग का है। यह सिर्फ दौलत की कहानी नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान की कहानी है जिसने साधारण शुरूआत से दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक खड़ी कर दी। झांग यिमिंग का जन्म चीन में हुआ। उनका बचपन किसी बड़े बिजनेस परिवार में नहीं बीता। उन्होंने पढ़ाई के बाद एक आम नौकरी से अपने करियर की शुरूआत की। कहा जाता है कि शुरूआती दिनों में वह एक छोटे से अपार्टमेंट में रहते थे, जहां कुछ ही कमरों में उनका पूरा काम और जिंदगी चलती थी। बचपन से ही वह पढ़ाई में अच्छे थे, लेकिन उनको पास कोई बड़ा बिजनेस बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और करियर की शुरूआत एक आम टेक कम्पनी की तरह की। लेकिन उनकी सोच अलग थी। उन्हें हमेशा लगता था कि इंटरनेट सिर्फ जानकारी देने का जरिया नहीं है, बल्कि यह लोगों के बिहेवियर को समझकर उन्हें वही दिखा सकता है जो वे देखना चाहते हैं। अपने शुरूआती दिनों में उन्होंने कई छोटी कंपनियों में काम किया। कभी सर्व इंजन से जुड़ा काम किया, तो कभी टैक्स वेबसाइट में टेक रोल निभाया। इसी दौरान उन्होंने एक बात बहुत गहराई से समझी, इंटरनेट सिर्फ जानकारी देने का प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि यह यूजर्स को समझने का सबसे बड़ा जरिया है।



सुजलॉन एनर्जी का बड़ा दांव! नए बिजनेस में एंट्री की खबर से शेयर में मची लूट, निवेशक टूट पड़े

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुजलॉन एनर्जी ने अपने बिजनेस को तेजी से बढ़ाने के लिए बड़ा प्लान किया है। कंपनी अब सिर्फ विंड टरबाइन बनाने तक सीमित नहीं रहेंगी बल्कि सोलर एनर्जी, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और अन्य रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशंस में भी कदम रखेगी। इस रणनीति की सुजलॉन 2.0 नाम दिया गया है। वहीं इस खबर के बाद निवेशकों में उत्साह देखने को मिला और शेयर में हल्की तेजी दर्ज की गई। कंपनी के इस प्लान के बाद सुजलॉन के शेयर में गुरुवार को करीब 3% की बढ़त देखी गई। बीएसई पर शेयर 54.40 रुपये की पिछली क्लोजिंग से बढ़कर 56.00 रुपये तक पहुंच गया। ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनंशियल का मानना ​​है कि यह स्टॉक आगे बढ़कर 65 रुपये तक जा सकता है यानी लगभग 20% की संभावित बढ़त का अनुमान लगाया गया है। इससे निवेशकों का भरोसा और बढ़ा है। सुजलॉन ने बताया कि वह आईई डेवको नाम से एक नया प्लेटफॉर्म शुरू कर रही है जो रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स को बड़े स्तर पर विकसित करेगा। कंपनी ने इस नई इकाई में वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 500 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। इसके अलावा अन्य नए बिजनेस सेगमेंट्स में 600 से 700 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। ताकि कंपनी का विस्तार तेजी से हो सके। कंपनी ने अगले पांच वर्षों के लिए बड़े लक्ष्य तय किए हैं। सुजलॉन का उद्देश्य वार्षिक रिन्यूएबल एनर्जी बिज्नी को चार गुना बढ़ाकर 10 गीगावाट तक पहुंचाना है। साथ ही 2031 तक ऑर्डर बुक को 15 गीगावाट तक ले जाने की योजना है। कंपनी भारत के विंड एनर्जी बाजार में लगभग 40% हिस्सेदारी हासिल करना चाहती है और 3 गीगावाट का निर्यात ऑर्डर भी प्राप्त करने का लक्ष्य रखती है। माना जा रहा है कि आईआई डेवको आने वाले वर्षों में कंपनी के कुल कारोबार का बड़ा हिस्सा बन सकता है।



भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़े बांड की मालिक बनने की ओर अग्रसर: रितेश अग्रवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ न्यूयॉर्क

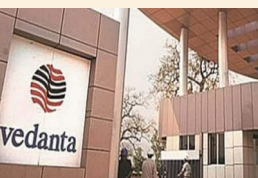
आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े ऑनलाइन मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय कंपनियां अब अमेरिका में बड़े बांडों की मालिक बनने की ओर अग्रसर हैं जिससे भारतीय सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी से आगे बढ़ेगी। अग्रवाल ने कहा कि भारत एफएएनजी यानी मेटा, अमेजन, एप्पल, नेटफ्लिक्स और गूगल जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए दूसरा सबसे बड़ा कार्यालय केंद्र है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार किया है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। उन्होंने कहा, हम यहां मोटेल सिक्स के अधिग्रहण के साथ अमेरिका में सबसे बड़े इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक भी हैं। साल 2024 में ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया था, जो अमेरिका के होटल ब्रांड मोटेल 6 की मूल कंपनी है और उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला है। अग्रवाल ने कहा, मुझे लगता है कि बहुत जल्द भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़ी बांड मालिक बनेंगी। इसका मतलब है कि पहले बार अमेरिकी उपभोक्ता भारतीय ब्रांड का उपयोग करेंगे और हमारे देश की सॉफ्ट पावर को बॉलीवुड और सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे समझेगे। यह सब प्रौद्योगिकी के कारण संभव होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में अमेरिका में उपभोक्ता-आधारित व्यवसायों में बड़े निवेश देनेको मिलेगा, जैसा यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया के ब्रांड करते हैंमुझे लगता है कि भारत का समय आ गया है। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा भारत का स्टार्टअप परिदेश, आतिथ्य और पर्यटन अवसर विषय पर आयोजित चर्चा में उन्होंने ये विचार रखे। इस चर्चा का संचालन प्रिज्म के समूह अध्यक्ष (रणनीतिक पहल) नितिन ठाकुर ने किया।



वेदांता समूह ने पांच साल में घटाया 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न स्थितियों पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन को कम या अशोषित किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन, नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने तथा स्वच्छ औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसे कदम उसके भारी उद्योग के कार्बन उत्सर्जन में कमी (डीकार्बोनाइजेशन) में वृद्धि आधुनिक एंड स्टील लिमिटेड ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि पारंपरिक खनन व धातु कंपनी भी टिकाऊ प्रथाओं में अग्रणी बन सकती है। कंपनी के कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है। विद्युत चालित यात्री वाहन, पहिया लोडर व फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से हर साल करीब 800 किलोटीनटर डीजल की बचत हो रही है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। सतत परिहहन व्यवस्था के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी के जलमार्ग पोत संचालन से लगभग 2.1 लाख टन यात्राओं के बराबर परिकहन कम हुआ, जिससे 1.08 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई और करीब 28,900 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटा। कंपनी ने गोवा के अमोना स्थित पिंग आयरन संयंत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के जरिये कुल 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की है जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ। पर्यावरण संरक्षण के तहत गोवा की संकलित पुनर्वास खदान (100 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र) में 7.5 लाख पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल 16,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं। तीन दशकों में यह क्षेत्र लगभग 4.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर चुका है। इसके अलावा, अमोना (गोवा) और बोकारो (झारखंड) में घने वन (मियावाली पद्धति) विकसित किए गए हैं, जहां 75,000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। साथ ही नियमित वनीकरण अभियानों के तहत तीन लाख पेड़ लगाए गए हैं।





08

भारत को लग सकता है डबल झटका

विराट कोहली के बाद रोहित शर्मा भी वनडे सीरीज से हो सकते हैं बाहर

आईपीएल के रोमांचक सीजन के खत्म होने के बाद अब भारतीय खिलाड़ी नीली जर्सी में खेलने के लिए तैयारी कर रहे हैं। आगामी वनडे विश्व कप 2027 को देखते हुए चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट का फोकस अब भारतीय वनडे टीम पर है। ऐसे में सिर्फ एक फॉर्मेट खेल रहे विराट कोहली और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें टिकी हैं। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले फैस को बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं, वहीं रोहित शर्मा के खेलने पर भी संशय है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 13 जून से खेले जाएगी। रोहित शर्मा पूरी तरह फिट नहीं हैं और इस वजह से आगामी सीरीज में उनकी उपलब्धता पर सवाल खड़े हो गए हैं। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक सलामी बल्लेबाज पूरे वनडे सीरीज से बाहर हो सकता है। आईपीएल के दौरान उनके हैमस्ट्रिंग में भी रिवंच आ गया था और उन्हें कुछ मैच से बाहर रहना पड़ा था। अनुभवी बैटर को अफगानिस्तान के खिलाफ फिटनेस के आधार पर ही टीम में शामिल किया गया है।

फीका रहा आईपीएल 2026

रोहित शर्मा का आईपीएल में इस सीजन प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 में 9 मैचों में 283 रन बनाए। उनका औसत 35.37 का रहा। उन्होंने दो अर्धशतक बनाए और उनका बेस्ट स्कोर 84 रहा। भारत के स्टार क्रिकेटर ने 2024 में टी-20 विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था और फिर पिछले साल टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था। 39 वर्षीय भारत के लिए अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं। कोहली और रोहित दोनों ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके वनडे करियर को लेकर

काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। अगला वनडे विश्व कप अगले साल अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होगा। कोहली और रोहित को उनकी फॉर्म और फिटनेस के आधार पर ही विश्व कप की टीम में जगह मिलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला वनडे धर्मशाला में होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा वनडे 17 जून को लखनऊ में और तीसरा वनडे 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। भारत इसके बाद अपना अगला वनडे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई को खेलेगा। तब भारतीय टीम तीन वनडे मैच की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी।

आईपीएल के ठीक बाद टेस्ट खेलना आसान नहीं: कुलदीप यादव

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि कम समय में टी-20 क्रिकेट से टेस्ट फॉर्मेट में खेलना आसान नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को समाप्त हुए अभी एक सप्ताह भी नहीं बीता है और भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट की तैयारी करनी पड़ रही है। कुलदीप ने दिए इंटरव्यू में कहा कि भले ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना का अनुभव कम है लेकिन वह खुद को टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छे से तैयार पाते हैं। वजह ये कि वह इस फॉर्मेट को अच्छे से समझते हैं और नियमित तौर पर खेलते हैं। आईपीएल में कुलदीप यादव की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही और उनका खुद का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। उन्होंने 12 मैचों में सिर्फ 10 विकेट लिए।

आईपीएल के तुरंत बाद टेस्ट खेलना बड़ी चुनौती: कुलदीप

‘जिओहॉटस्टार’ के सहयोग से किए गए इस इंटरव्यू में कुलदीप ने कहा कि टी-20 में आप हमेशा आक्रामक रहते हैं। आप हमेशा बल्लेबाज के खिलाफ हमलावर तेवर अपनाते हैं और इसी सोच के साथ खेल में बने रहते हैं। लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं होता। बल्लेबाज के पास काफी समय होता है। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ी आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद यहां आए हैं। उनके पास तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने अच्छी तैयारी की होगी लेकिन निश्चित तौर पर यह बड़ी चुनौती है। कुलदीप ने टेस्ट मैच की तैयारी के लिए उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान दिया जिनमें धैर्य बनाए रखना भी शामिल है।

तो पहली बार टेस्ट में अश्विन या जडेजा के बिना खेलेंगे कुलदीप

उन्होंने कहा कि लगातार अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण होता है। यह बड़ी चुनौती होती है। रणनीति बहुत मायने रखती है। आप किस कोण से गेंदबाजी कर रहे हैं, क्रीज की किस स्थिति का उपयोग कर रहे हैं, यह सभी बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। अगर कुलदीप शनिवार से शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच में खेलते हैं, तो अपने करियर में पहली बार उनके साथ न तो रविचंद्रन अश्विन (संन्यास ले चुके हैं) और ना ही रवींद्र जडेजा (आराम दिया गया) होंगे। कुलदीप ने स्वीकार किया कि इस मैच में जडेजा और यहां तक कि अक्षर पटेल की कमी महसूस की जाएगी।

रेड बॉल क्रिकेट के फॉर्मेट में ढलने के लिए खूब बहा रहे पसीना

अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले कुलदीप ने दिए स्पेशल इंटरव्यू में कहा कि पिछले दो सप्ताह से वह क्रिकेट के सबसे बड़े और ऑरिजनल फॉर्मेट में ढलने के लिए नेट पर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्याआईपीएल में खेलने के तुरंत बाद लाल गेंद का क्रिकेट खेलना आसान नहीं होता है। इसके लिए अच्छी तैयारी बेहद जरूरी होती है। सौभाग्य से मुझे समय मिल गया। मैंने कम से कम 10 से 15 दिन लाल गेंद से अभ्यास किया।



दैनिक ठाणे, शुक्रवार 5 जून, 2026

हिंदमाता मिरर

तिरुमला पहुंचीं जान्हवी कपूर



जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म ‘पेढ़ी’ को लेकर चर्चा में हैं। कल इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई है, जिस पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया है। आज चार जून को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इससे पहले जान्हवी कपूर तिरुमला मंदिर पहुंची हैं। सोशल मीडिया पर उनके कई वीडियो वायरल हैं।

नंगे पैर मंदिर पहुंची जान्हवी

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि जान्हवी कपूर नंगे पैर तिरुमला मंदिर पहुंची हैं। यहां उन्होंने माथा टेका है। इसके बाद माथे पर तिलक लगाया है। मंदिर से बाहर निकल कर वह सड़क पर भी नंगे पैर चलते दिखीं। इस बीच कई दूसरी महिलाएं भी उनके साथ थीं। कई फैस ने उनके साथ बात की।

सीढ़ियों पर बात करती दिखीं जान्हवी

एक दूसरे वीडियो में देखा जा सकता है कि जान्हवी कपूर मंदिर की सीढ़ियों पर बैठी हैं। वह फोन पर किसी से बात कर रही हैं। इस बीच उनका एक साथी उन्हें कुछ देता है।

साड़ी में नजर आई जान्हवी

एक और वीडियो में जान्हवी कपूर तिरुमला मंदिर के बाहर नजर आईं। इसमें वह साड़ी पहने हुए हैं। माना जा रहा है कि जान्हवी दोबारा तिरुमला मंदिर पहुंची हैं।

राम चरण की पत्नी हुई उत्साहित

आपको बता दें कि राम चरण और जान्हवी कपूर की अदाकारी वाली फिल्म ‘पेढ़ी’ की स्पेशल स्क्रीनिंग में राम चरण की पत्नी उपासना कोनिडेला पहुंचीं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि उपासना कोनिडेला अपनी सीट पर बैठी हैं। फिल्म देखते हुए वह काफी खुश हैं। स्क्रीन पर जब उनके पति और अभिनेता राम चरण की एंट्री होती है, तब उपासना उत्साहित हो जाती हैं। वह कागज के टुकड़े और कंफर्टी उड़ाने लगती हैं। भीड़ के बीच बैठी उपासना को हंसते, हँसते करते और जश्न मनाते हुए देखा गया।

‘पेढ़ी’ की स्टारकास्ट

राम चरण ‘पेढ़ी’ में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह एक ऐसे गांव के व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं जो एक स्पॉट्स स्टार होने के साथ-साथ एक कम्युनिटी लीडर भी है। जान्हवी कपूर, बॉमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्याशा भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं।

पैनी नजर, पुख्या खबर

GAME & GLAMOUR

तिरुमाला मंदिर पहुंचीं कृति सेनन

अभिनेत्री कृति सेनन की आगामी फिल्म ‘कॉकटेल 2’ जल्द रिलीज होने वाली है। इसी बीच कृति आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर पहुंचीं। जहां उनके साथ फिल्म के निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक होमी अदजानिया भी मौजूद रहे।

तिरुमाला मंदिर में आशीर्वाद लेने पहुंचीं

रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर की फिल्म ‘कॉकटेल 2’ का फैस को बेसब्री से इंतजार है। बुधवार को एक्स्ट्रा कृति सेनन फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया और निर्माता दिनेश विजान के साथ तिरुमाला मंदिर आशीर्वाद लेने पहुंचीं। इस दौरान वो पूरी तरह से भक्ति में डूबी दिखाई दीं। उन्होंने मंदिर के नियमों का पालन किया। इसके साथ ही सभी धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। मंदिर में दर्शन के लिए कृति ने सफेद रंग को सलवार सूट के सिंपल लुक में पहनीं। जिसके बाद वह मंदिर से बाहर निकलते समय उन्हें पैपराजी के सामने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया।

सिंपल लुक में दिखीं एक्स्ट्रा

मंदिर में दर्शन के लिए कृति ने सफेद रंग को सलवार सूट के सिंपल लुक में पहनीं। चेहरे पर मिनिमल मेकअप और खुले बालों में कृति काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं। मंदिर से बाहर निकलते समय उन्हें पैपराजी के सामने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

कब रिलीज होगी ‘कॉकटेल 2’

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म ‘कॉकटेल 2’ 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। प्रीतम ने इस फिल्म का संगीत दिया है और गाने अभिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान और लव रंजन हैं। इसे होमी अदजानिया ने निर्देशित किया है।

नुसरत ‘घुसखोर पंडत’ में नजर आएंगी

अभिनेत्री नुसरत भरुचा उस समय अचानक सुर्खियों में आ गईं, जब विराट कोहली की आरसीबी के आईपीएल जीतते ही उन्होंने एक स्टोरी साझा की। उनकी ये इंस्टाग्राम स्टोरी देखते-देखते ही वायरल हो गई। स्टोरी में दिख जरूर आरसीबी की जीत रही थी, लेकिन पीछे आ रही आवाजों ने सुर्खियां बटोरीं और स्टोरी को वायरल कर दिया। इसके बाद इस पर नुसरत को लेकर तरह-तरह के रिएक्शन आने लगे। अब नुसरत भरुचा ने इस वायरल स्टोरी पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

एक पप्पी के रोने से इतना बवाल मचा दिया

नुसरत ने फिर से वो ही वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, हाफिर से पोस्ट कर रही हूँ, क्योंकि मैं जानना चाहती हूँ कि मेरे पप्पी (छोटे कुते) की आवाजों से क्या दिक्कत है और क्यों इतना बवाल मचा है। कुछ लोगों ने हद ही कर दी है। एक पप्पी के रोने की आवाज से इतना बवाल मचा दिया। फिर किसी ने मेरी ओर से फर्जी स्पष्टीकरण भी साझा कर दिया। सच ये है कि मैं अपनी एक दोस्त के यहां बच देर रही थी और वहां एक पप्पी पीछे रो रहा था, जिसकी आवाजें आ रही थीं। यह वीडियो मेरी दोस्त ने उसी समय बनाया।

नुसरत ने बताई कुते की आवाज

बीते दिन इस घटना के बाद नुसरत सार्वजनिक रूप से नजर आईं, लेकिन इस दौरान भी वो पैपराजी से बचती दिखीं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई स्पष्टीकरण दिए हैं, जिनमें उस कमरे का एक वीडियो भी शामिल है, जहां कथित तौर पर वह उस दिन मैच देख रही थीं। उन्होंने लिखा, हाथ वही घर है जहां मैं मैच देख रही थी। यह मेरा पप्पी (छोटा कुत्ता) है। यह उसी रात का कुछ देर बाद का वीडियो है। मुझे डर था कि शायद कुछ हो गया होगा, इसलिए मुझे वह वीडियो डिलीट करने की सलाह दी गई और मैंने कर दिया। आप लोग अपने बेबुनियाद विचारों पर काबू रखें। मोबाइल फोन होने से उत्पीड़न का अधिकार नहीं मिल जाता। गलत मतलब न निकालें और आंख बंद करके किसी भी बात को सच न मान लें। सोच-समझकर और जिम्मेदारी से काम लें।

मनोज बाजपेयी के साथ इस फिल्म में नजर आएंगी नुसरत

वर्कफ्रंट की बात करें तो नुसरत भरुचा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म ‘छेरी 2’ में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अब नुसरत अगली बार मनोज बाजपेयी के साथ ‘घुसखोर पंडत’ में नजर आएंगी। फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद उठने के बाद अब इसे नए शीर्षक के साथ रिलीज किया जाएगा।

पूजा हेगड़े का बोल्डनेस लुक

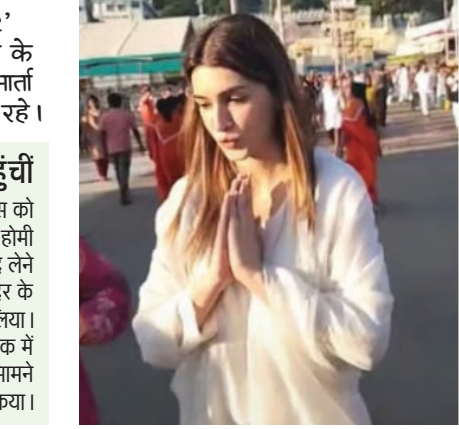
अपनी अदाकारी और लाजवाब फैशन सेंस से लाखों दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस पूजा हेगड़े एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पूजा जल्द ही वरुण धवन और वामिका गब्बी के साथ ‘है जवानी तो इश्क होना है’ में नजर आने वाली हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खूबसूरत और हॉट तस्वीरें शेयर की हैं।

■ तस्वीरों में पूजा हेगड़े बेहद खूबसूरत पेरल बेबी पिक कलर की कॉरसेट स्टाइल मिड-लेंथ ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस स्ट्रेपलेस ड्रेस के बस्ट एरिया पर व्हाइट कलर की लेस बॉर्डर दी गई है, जो उनके लुक में एक विंटेज और मॉडर्न वाइब जोड़ रही है। इस का प्लेयर्ड ऑर्गेनजा बॉटम पूजा हेगड़े को एक परफेक्ट ‘बाबी डॉल’ या ‘प्रिसेंस’ जैसा लुक दे रहा है। अपने इस स्वरिंग आउटफिट को उन्होंने व्हाइट स्ट्रेपी हील्स के साथ टीम-अप किया है। तस्वीरों में पूजा एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में एक खास ‘मोशन ब्लर’ का इस्तेमाल किया गया है, जो उनके पोज में एक बेहतरीन मोमेंटम और सिनेमैटिक फील पैदा कर रहा है। पूजा अपनी ड्रेस के प्लेयर्स को लहराते हुए कैमरे के सामने अपनी टोंड बाँटी और लेस फ्लॉन्ट कर रही हैं, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है।

■ मिनिमल लुक को अपनाते हुए पूजा ने अपने बालों को ओपन साइड-पार्टेड वेवी हेयरस्टाइल में रखा है। हवा में लहराती उनकी लुक उनके चेहरे के कंट को और अधिक आकर्षक बना रही हैं। मेकअप की बात करें तो उन्होंने इसे सॉफ्ट-ग्लैम रखा है—परफेक्ट व्हाइट आईलाइनर, न्यूड लिपस्टिक, ऑन-पलीक आइब्रो और हल्का सा ब्लश, जो उनके नेचुरल ग्लो को उभार रहा है। उन्होंने कानों में खूबसूरत व्हाइट फ्लोरल स्टड्स पहने हैं जो उनके आउटफिट से पूरी तरह मैच कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर पूजा हेगड़े की इन तस्वीरों के आते ही फैस कमेंट सेक्शन में दिल और फायर वाले इमोजी की बाख़र कर रहे हैं। कोई उन्हें ‘एवरग्रीन ब्यूटी’ कह रहा है तो कोई ‘पिक एंजेल’।

GAME & GLAMOUR

तिरुमाला मंदिर पहुंचीं कृति सेनन



अभिनेत्री कृति सेनन की आगामी फिल्म ‘कॉकटेल 2’ जल्द रिलीज होने वाली है। इसी बीच कृति आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर पहुंचीं। जहां उनके साथ फिल्म के निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक होमी अदजानिया भी मौजूद रहे।

कब रिलीज होगी ‘कॉकटेल 2’

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म ‘कॉकटेल 2’ 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। प्रीतम ने इस फिल्म का संगीत दिया है और गाने अभिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान और लव रंजन हैं। इसे होमी अदजानिया ने निर्देशित किया है।

नुसरत ‘घुसखोर पंडत’ में नजर आएंगी

अभिनेत्री नुसरत भरुचा उस समय अचानक सुर्खियों में आ गईं, जब विराट कोहली की आरसीबी के आईपीएल जीतते ही उन्होंने एक स्टोरी साझा की। उनकी ये इंस्टाग्राम स्टोरी देखते-देखते ही वायरल हो गई। स्टोरी में दिख जरूर आरसीबी की जीत रही थी, लेकिन पीछे आ रही आवाजों ने सुर्खियां बटोरीं और स्टोरी को वायरल कर दिया। इसके बाद इस पर नुसरत को लेकर तरह-तरह के रिएक्शन आने लगे। अब नुसरत भरुचा ने इस वायरल स्टोरी पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

एक पप्पी के रोने से इतना बवाल मचा दिया

नुसरत ने फिर से वो ही वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, हाफिर से पोस्ट कर रही हूँ, क्योंकि मैं जानना चाहती हूँ कि मेरे पप्पी (छोटे कुते) की आवाजों से क्या दिक्कत है और क्यों इतना बवाल मचा है। कुछ लोगों ने हद ही कर दी है। एक पप्पी के रोने की आवाज से इतना बवाल मचा दिया। फिर किसी ने मेरी ओर से फर्जी स्पष्टीकरण भी साझा कर दिया। सच ये है कि मैं अपनी एक दोस्त के यहां बच देर रही थी और वहां एक पप्पी पीछे रो रहा था, जिसकी आवाजें आ रही थीं। यह वीडियो मेरी दोस्त ने उसी समय बनाया।

नुसरत ने बताई कुते की आवाज

बीते दिन इस घटना के बाद नुसरत सार्वजनिक रूप से नजर आईं, लेकिन इस दौरान भी वो पैपराजी से बचती दिखीं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई स्पष्टीकरण दिए हैं, जिनमें उस कमरे का एक वीडियो भी शामिल है, जहां कथित तौर पर वह उस दिन मैच देख रही थीं। उन्होंने लिखा, हाथ वही घर है जहां मैं मैच देख रही थी। यह मेरा पप्पी (छोटा कुत्ता) है। यह उसी रात का कुछ देर बाद का वीडियो है। मुझे डर था कि शायद कुछ हो गया होगा, इसलिए मुझे वह वीडियो डिलीट करने की सलाह दी गई और मैंने कर दिया। आप लोग अपने बेबुनियाद विचारों पर काबू रखें। मोबाइल फोन होने से उत्पीड़न का अधिकार नहीं मिल जाता। गलत मतलब न निकालें और आंख बंद करके किसी भी बात को सच न मान लें। सोच-समझकर और जिम्मेदारी से काम लें।

मनोज बाजपेयी के साथ इस फिल्म में नजर आएंगी नुसरत

वर्कफ्रंट की बात करें तो नुसरत भरुचा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म ‘छेरी 2’ में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अब नुसरत अगली बार मनोज बाजपेयी के साथ ‘घुसखोर पंडत’ में नजर आएंगी। फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद उठने के बाद अब इसे नए शीर्षक के साथ रिलीज किया जाएगा।

पूजा हेगड़े का बोल्डनेस लुक

अपनी अदाकारी और लाजवाब फैशन सेंस से लाखों दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस पूजा हेगड़े एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पूजा जल्द ही वरुण धवन और वामिका गब्बी के साथ ‘है जवानी तो इश्क होना है’ में नजर आने वाली हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खूबसूरत और हॉट तस्वीरें शेयर की हैं।

■ तस्वीरों में पूजा हेगड़े बेहद खूबसूरत पेरल बेबी पिक कलर की कॉरसेट स्टाइल मिड-लेंथ ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस स्ट्रेपलेस ड्रेस के बस्ट एरिया पर व्हाइट कलर की लेस बॉर्डर दी गई है, जो उनके लुक में एक विंटेज और मॉडर्न वाइब जोड़ रही है। इस का प्लेयर्ड ऑर्गेनजा बॉटम पूजा हेगड़े को एक परफेक्ट ‘बाबी डॉल’ या ‘प्रिसेंस’ जैसा लुक दे रहा है। अपने इस स्वरिंग आउटफिट को उन्होंने व्हाइट स्ट्रेपी हील्स के साथ टीम-अप किया है। तस्वीरों में पूजा एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में एक खास ‘मोशन ब्लर’ का इस्तेमाल किया गया है, जो उनके पोज में एक बेहतरीन मोमेंटम और सिनेमैटिक फील पैदा कर रहा है। पूजा अपनी ड्रेस के प्लेयर्स को लहराते हुए कैमरे के सामने अपनी टोंड बाँटी और लेस फ्लॉन्ट कर रही हैं, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है।

तस्वीरों में दिखीं खुशियों की झलकियां

पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर अपने परिवार और बेबी नीर की कई तस्वीरें शेयर कर फैस को खुश कर दिया है। इन तस्वीरों में उनकी रोजमर्रा के जीवन की खूबसूरत झलक देखने को मिली। इस कलेक्शन की शुरुआत परिणीति की एक सुंदर तस्वीर से होती है, जिसमें वह ऑफ-शोल्डर सफेद ड्रेस पहने मुस्कुराती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में क्रीम और सफेद चॉकलेट से सजी आम की स्वादिष्ट मिठाई दिख रही है। एक फोटो में बारिश से भीगा हुआ शांत और सुंदर नजारा कैद है। परिणीति ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि छोटी-छोटी चीजों ने मेरी को खास बना दिया।

बेटे ‘नीर’ की दुनिया

पिछले साल मां बनी परिणीति ने अपने बेटे नीर के खिलौनों की भी झलक दिखाई। एक तस्वीर में मिकी माउस प्ले मैच पर लाल रंग का खरगोश वाला खिलौना नज़र आया।